जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 120 प्रभात चूरू, बुधवार 27 अगस्त, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अंबानी के ''वनतारा'' की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी गठित की

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस चेलमेश्वर के नेतृत्व वाली एसआईटी को 12 सितम्बर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात स्थित अनंत अंबानी द्वारा स्थापित 'वनतारा' रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी)का गठन किया है।

अदालत ने कहा कि सामान्यतः ऐसे आरोपों पर आधारित याचिका, जिनके समर्थन में कोई ठोस सबूत न हो, कानून की दृष्टि में विचारणीय नहीं होती और प्राथमिक स्तर पर ही खारिज की जानी चाहिए।

इसके बावजूद, कोर्ट ने मामले की तथ्यात्मक जांच पड़ताल के लिए जांच आवश्यक मानी है और एसआईटी को 12 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

एसआईटी का नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस जस्ती चेलमेश्वर करेंगे और आयोग के अन्य सदस्य होंगे, बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, राघवेन्द्र चौहान, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले तथा अतिरिक्त आयुक्त, कस्टम्स अनीश गुप्ता।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस पंकज मिथल और पीबी वराले की बैंच ने यह आदेश एडवोकेट सी.आर. जया सुकीन और देव शर्मा द्वारा दायर दो याचिकाओं के आधार पर पारित किया है। इन याचिकाओं में मांग की गई थी कि वनतारा रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर की कार्यप्रणाली की स्वतंत्र जांच कराई जाए।

- सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एडवोकेट जया सुकीन व देव शर्मा की याचिका पर दिए जिनमें अखबारों में छपी खबरों के आधार पर पशु अधिकारों के हनन व पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था।
- कोर्ट ने एसआईटी गठित करते समय हालांकि यह भी कहा, कि जिन आरोपों की पुष्टि के लिए ठोस सबूत न हों वे याचिकाएं खारिज कर दी जानी चाहिए पर इस मामले से तथ्यात्मक जांच जरुरी है।
- वनतारा असल में वन्यजीवों का पुनर्वास केन्द्र है जहां देश विदेश से जंगली जानवर लाए जाते हैं। इस केन्द्र की स्थापना अनन्त अंबानी ने की है।

याचिकाओं में लगाए गए आरोप अखबारों में छपी रिपोर्टों पर आधारित हैं और उनके समर्थन में कोई ठोस सबूत प्रस्तुत नहीं किए गए। फिर भी, अदालत ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करने की बजाय, एक तथ्यान्वेषण जांच का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने से जिन मुद्दों पर रिपोर्ट मांगी है, उनमें शामिल हैं: वनतारा द्वारा भारत और विदेशों से जानवरों, विशेष रूप से हाथियों का अधिग्रहण किन परिस्थितियों में और किस प्रक्रिया से किया गया।

क्या ये गतिविधियां वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, तथा चिड़ियाघर नियमों के अनुरूप हैं?

क्या जानवरों या उनके उत्पादों के व्यापार संबंधी नियमों का पालन किया गया है?

क्या वहां पशुपालन, पशु चिकित्सा देखभाल और पशु कल्याण से संबंधित मानकों का पालन हो रहा है?

विधानसभा सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक 28 को

जयपुर, 26 अगस्त। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के चतुर्थ सत्र की बैठकें 1 सितम्बर से आरंभ होंगी। इससे पहले विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने, 28 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे विधान सभा में अपने कक्ष में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, बसपा के मनोज कुमार, भारत आदिवासी पार्टी के थावर चन्द और रालोद के डॉ. सुभाष गर्ग को आमंत्रित किया गया है।

- विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने यह परम्परा शुरू की थी।

देवनानी ने विधान सभा अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद लोकसभा की तर्ज पर विधान सभा में भी सर्वदलीय बैठक बुलाये जाने का निर्णय लिया था। राजस्थान विधान सभा में पहली बार सोलहवीं विधान सभा से आरंभ हुई यह सर्वदलीय बैठक चौथी बार हो रही है।

हैल्थ इंश्योरैंस और लाइफ इंश्योरैंस पर से जी.एस.टी. पूर्णतया हटेगी?

3-4 सितम्बर को दिल्ली में आयोजित जी.एस.टी. काउंसिल की बैठक में यह निर्णय पारित होने की सम्भावना

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 26 अगस्त। दो-तीन सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक भारत के वित्तीय सुरक्षा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। इस बैठक के केंद्र में यह प्रस्ताव है कि स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा (जिसमें टर्म प्लान भी शामिल हैं) पर वर्तमान में लगाए जा रहे 18 प्रतिशत जीएसटी को समाप्त कर दिया जाए। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो यह न केवल घरेलू खर्चों को सीधे कम करेगा, बल्कि कुछ लोगों के लिए विशेष सुविधा के बजाय यह प्रस्ताव बीमा को एक जन-उत्पाद (मास प्रॉडक्ट) बना सकता है।

इस सुधार की आवश्यकता बिल्कुल स्पष्ट है। आज भारत में बीमा की पहुँच उभरते बाजारों में सबसे कम है। इसकी एक प्रमुख वजह इसकी ऊंची लागत है। एक मध्यम वर्गीय परिवार, जो 20,000 सालाना प्रीमियम देता है, उसे इसके ऊपर 3,600 टैक्स भी चुकाना पडता है। यदि यह कर हटा दिया जाए, तो बोझ तुरंत कम हो जाएगा तथा अधिक परिवार बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। ऐसे देश में, जहाँ जेब से मेडिकल खर्च करना अक्सर परिवारों को कर्ज में डुबो देता है, सुरक्षा की लागत को कम करना न केवल आर्थिक रूप से उचित है, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी आवश्यक है।

- भारत में इंश्योरैंस का प्रसार न्यूनतम है, अन्य उभरते देशों की तुलना में। इंश्योरैंस प्रिमियम पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. लगती है, यह जी.एस.टी. लगना बन्द हो जाने के बाद मध्यम वर्ग में इंश्योरैंस का प्रचलन बढ़ने की भारी उम्मीद है।
- एक मध्यमवर्ग परिवार को बीस हजार रुपये प्रतिवर्ष की वार्षिक किश्त काफी भारी पड़ती है, और इस किश्त पर 3600 रु. का जी.एस.टी. का भार और पड़ता है।
- अगर जी.एस.टी. इंश्योरैंस पर लगना बंद हो जाये तो मध्यमवर्गीय परिवार पर 3600 रु. का भार कम हो जाता है, और सरकार को आशा है, इससे हैल्थ इंश्योरैंस व लाइफ इंश्योरैंस का ''पैनिट्रेशन'' बढ़ेगा (प्रसार बढ़ेगा) और बीमारी के इलाज के लिए मध्यम वर्ग को जमीन-जायदाद बेचकर इलाज कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

राज्यों के मंत्रियों के एक समूह ने पहले ही इस प्रस्ताव को समर्थन दे दिया है कि व्यक्तिगत और पारिवारिक स्वास्थ्य तथा टर्म जीवन बीमा योजनाओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपराष्ट्रपति के चुनाव में आंध्र व तेलंगाना सांसदों की क्या भूमिका रहेगी?

राजनीतिक दल पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ टिप्पणी को ''तैलुगु सम्मान'' को आहत करने का प्रयास बताकर प्रचारित कर रहे हैं

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 26 अगस्त। उपराष्ट्रपति चुनाव ने अप्रत्याशित रूप से सत्तारूढ़ एनडीए के भीतर हलचल पैदा कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी पर की गई तीखी टिप्पणी से तेलुगु राजनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ गई है। शाह ने फिर दोहराया कि सुदर्शन रेड्डी द्वारा सलवा जुडुम आंदोलन पर दिए गए ऐतिहासिक निर्णय ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को नई जिंदगी दी।

हालांकि शाह ने यह स्पष्ट किया कि "हिंसा से लड़ने के लिए एक और हिंसक समूह बनाना केवल दोनों पक्षों के आतंक को बढ़ाता है," लेकिन यह टिप्पणी अब राष्ट्रीय सुरक्षा से इतर क्षेत्रीय पहचान और गरिमा के नजरिए से देखी जा रही है-खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक इसे 1980 के दशक में एन.टी. रामाराव की राजनीतिक उदय के समय से जोड़कर देख रहे हैं, जब राजीव गांधी द्वारा तत्कालीन आंध्र मुख्यमंत्री टी. अंजैया के अपमान की घटना ने तेलुगु स्वाभिमान की लहर पैदा की थी और उसी भावना को आधार बनाकर ने तेलुगु देशम पार्टी खड़ी की थी। आज, विश्लेषकों का मानना है कि शाह की टिप्पणी-चाहे वह अप्रत्यक्ष ही क्यों न हो-एक सम्मानित तेलुगु न्यायविद् पर हमला मानी जा सकती है, और इसे तेलुगु अस्मिता पर प्रहार माना जा सकता है।

तेलुगु देशम पार्टी, जो एनडीए को एक प्रमुख घटक हैं, के सांसद जनमत के दबाव में आकर न्यायमूर्ति रेड्डी का समर्थन करने के लिए मजबूर हो सकते हैं भले ही पार्टी स्तर पर कोई औपचारिक निर्णय न लिया गया हो। अब बहस केवल गठबंधन निष्ठा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तेलुगु नेताओं की प्रतिष्ठा की रक्षा से भी जुड़ चुकी है।

हैदराबाद के एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक का कहना है, कि अमित शाह की बातों का असर ऐसा हो सकता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस प्रचार के दबाव में आंध्र व तेलंगाना के सांसद ''तेलुगु सम्मान'' की रक्षा में खड़े हो सकते हैं।
- सम्भावना बन रही है, कि चन्द्रबाबू नायडू की पार्टी के सांसद, ''एन-ब्लॉक'' न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में वोट करने को मजबूर हो जायें और उपराष्ट्रपति का चुनाव, जिसे सामान्य, साधारण सा चुनाव माना जा रहा था, सरकार के लिए खतरे की घण्टी न बन जाये।
- जैसा, कि विदित ही है, गृहमंत्री अमित शाह ने न्यायाधीश सुदर्शन के खिलाफ टिप्पणी की थी कि, न्यायाधीश के सलवा जुदुम आन्दोलन के खिलाफ दिये गये निर्णय से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को ''नई जिंदगी'' मिल गई थी।

वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन में 6 की मौत

जम्मू, 26 अगस्त। जम्मू के पास कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी मार्ग में अर्धकुवारी के पास मंगलवार को भूस्खलन होने से 6 लोगों की मौत हो गयी और 14 अन्य घायल हो गये हैं। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यह जानकारी दी।

श्राइन बोर्ड ने कहा कि अर्धकुवारी के पास हुए इस भूस्खलन में घायल हुए लोगों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। दूसरी ओर जम्मू के सभी स्कूल बुधवार को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। श्राइन बोर्ड और सुरक्षा बलों ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

- श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वैष्णो देवी यात्रा अस्थायी तौर पर रोक दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर माता वैष्णो देवी की यात्रा को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है। अर्धकुवारी से भवन तक का मार्ग बंद कर दिया गया है। निचले ट्रैक से भी श्रद्धालुओं की आवाजाही सीमित कर दी गई है।

जम्मू प्रशासन ने खराब मौसम और क्षेत्र भर में अलग अलग स्थानों पर बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर सभी सरकारी और निजी स्कूल कल बंद रखने का निर्देश दिया है।

एससीओ समिट में मोदी और पुतिन का स्वागत खुद करेगें जिनपिंग

शी इस कदम से ट्रंप को कड़ा मैसेज देना चाहते हैं कि टैरिफ वॉर में ''ग्लोबल साउथ'' एकजुट है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा ब्रिक्स देशों और अन्य साझेदारों पर टैरिफ युद्ध थोपने की पृष्ठभूमि में, ग्लोबल साउथ की एकजुटता का संदेश देने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन, चीन में होने जा रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेंगे। यह कदम वॉशिंगटन को एक सूक्ष्म किंतु स्पष्ट संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है।

शी जिनपिंग अगले सप्ताह चीन में एक क्षेत्रीय सुरक्षा मंच पर 20 से अधिक विश्व नेताओं को इकट्ठा करेंगे, जिससे न केवल ट्रंप के समय ग्लोबल साउथ की शक्ति का प्रदर्शन होगा, बल्कि प्रतिबंधों से जूझ रहे रूस को एक और कूटनीतिक जीत पाने में मदद मिलेगी।

पुतिन और मोदी के अलावा, मध्य एशिया, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। यह शिखर सम्मेलन भारत और चीन के बीच 2020 की घातक सीमा झड़पों के बाद तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी हो सकता है, क्योंकि यह मोदी की सात वर्षों में पहली चीन यात्रा होगी।

पिछले साल कज़ान, रूस में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी मोदी, शी और पुतिन ने मंच साझा किया था, जबकि उस समय पश्चिमी नेताओं ने यूक्रेन युद्ध के चलते पुतिन से दूरी बना रखी थी। नई दिल्ली में रूसी दूतावास के अधिकारियों ने हाल ही में कहा कि मॉस्को को शी जिनपिंग और मोदी के साथ त्रिपक्षीय वार्ता की उम्मीद है।

चीनी राष्ट्रपति इस शिखर सम्मेलन को एक ऐसे मंच के रूप में पेश करना चाहेंगे जो दिखाए कि अमेरिका के नेतृत्व से रहित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था कैसी हो सकती है और यह भी जनवरी तक वाइट हाउस ने चीन, ईरान, रुस और अब भारत पर भी जो प्रतिबंध लगाए गए हैं उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। चाइना-ग्लोबल साउथ प्रोजेक्ट के संपादक एरिक ओलेंडर ने कहा, जरा देखिए ब्रिक्स ने डॉनल्ड ट्रंप को कितना विचलित किया है - यही तो इन मंचों की मूल भूमिका है।

इस वर्ष का शिखर सम्मेलन एससीओ के 2001 में गठन के बाद से अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। चीनी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने इसे "अंतरराष्ट्रीय संबंधों की नई प्रकार की संरचना में एक महत्वपूर्ण शक्ति" बताया।

हाल के वर्षों में भारत की नीति अमेरिका और इज़रायल के प्रति झुकाव के कारण एससीओ और ब्रिक्स के प्रति थोड़ी ठंडी पड़ी थी। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के धमकाने की नीति भारत तथा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति असम्मानजनक रवैये ने भारत को इन मंचों की ओर फिर से आकर्षित किया है।

सुरक्षाकारणों से गठित एससीओ, जो कभी छह यूरेशियाई देशों का समूह था, अब 10 स्थायी सदस्य और 16 संवाद व पर्यवेक्षक देशों तक फैल चुका है। इसका ध्यान अब सिर्फ सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक और सैन्य सहयोग तक भी विस्तारित हो चुका है।

हालाँकि विश्लेषकों का मानना है कि एससीओ ने अब तक ठोस सहयोग के नतीजे नहीं दिए हैं, लेकिन चीन के लिए यह अमेरिका के विरुद्ध ग्लोबल साउथ की एकजुटता दिखाने का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

कुछ विशेषज्ञ जो चीन को संदेह की दृष्टि से देखते हैं और अमेरिका भारत संबंध के समर्थक है उनका कहना है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चीन में हो रहे तियानजिन समिट में शामिल होने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अगस्त को चीन जा रहे हैं। 7 सालों में उनकी यह पहली चीन यात्रा है और भारत और चीन के बीच गंभीर सीमा विवाद को देखते हुए भी यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।
- चीन भी चाहता है कि भारत अमेरिका के पाले में ना जाए क्योंकि एक स्वतंत्र तटस्थ भारत का चीन के साथ आना उसके लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

मोदी ने ट्रंप के चार फोन कॉल नहीं उठाये ?

नई दिल्ली, 26 अगस्त। एक जर्मन अख़बार ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा किए गए चार फोन कॉल्स का जवाब नहीं दिया। भारत-अमेरिका टैरिफ़ विवाद का विश्लेषण करने वाले फ्रैंकफर्टर अलगेमाइन जितुंग (एफ.ए.जेड.) की रिपोर्ट में यह दावा करते हुए कहा गया है कि व्यापार विवादों में ट्रंप की आम रणनीति, शिकायतें, धमकियाँ और दबाव, भारत के मामले में काम नहीं कर रही हैं, जबकि कई अन्य देशों के साथ ऐसा हो रहा है। हालांकि, इस दावे के बारे में पुष्टि नहीं हो पाई है।

- जर्मन अखबार ने दावा किया कि ट्रंप की धमकियाँ व दबाव भारत पर काम नहीं कर रहे।

मीडिया वेबसाइट वियॉन ने एफ.ए.जेड. का हवाला दिया है, जिसमें यह दावा किया है कि अगर जर्मन भाषा की रिपोर्ट का मशीनी अनुवाद सही है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कौन पैदा करवा रहा है ''ट्राइबल लीडर'' बिरसा मुंडा और अम्बेडकर के बीच टकराव की स्थिति?

कोटा में भारतीय रेल्वे एस.सी./एस.टी. एसोसिऐशन को आवंटित आवास में अम्बेडकर की मूर्ति के समक्ष अनाधिकृत तरीके से क्यों लगाई गई बिरसा मुंडा की मूर्ति?

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 26 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने भारतीय रेल्वे की अनुसूचित जनजाति के लिए गठित एसोसिऐशन को कोटा आवंटित मकान के परिसर में अनाधिकृत और अवैध तरीके से बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापित करने के मामले में सुनवाई की और एसोसिऐशन की कोटा ज़ोन की ईकाई को राहत देते हुए आदेश दिए हैं कि 7 दिन के भीतर इस एसोसिऐशन के द्वारा दिए गए परिवाद की सरकार में सुनवाई हो।अदालत ने आदेश में कहा कि मुख्य सचिव इस एसोसिऐशन के सभी अधिकारियों के साथ 04.09.2025 तक सुनवाई करे और 30 दिन के भीतर मामले में निर्णय दे।

गौरतलब है कि भारतीय रेल्वे में अनुसूचित जनजाति की एसोसिऐशन की कोटा ज़ोन की ईकाई ने हाईकोर्ट में रिट याचिका इसलिए दायर की थी क्योंकि पिछले वर्ष लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिड़ला, के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओ.एस.डी.) ने एसोसिऐशन को आवंटित भवन में जबरदस्ती घूसकर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति के सामने ही अनाधिकृत, अवैध तरीके से झारखण्ड प्रदेश के अनुसूचित जनजाति के महानायक, बिरसा मुंडा, की मूर्ति का लोकार्पण किया, और अनुसूचित जाति के सदस्यों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई।

याचिकाकर्ता के वकील सतीश पचौरी का कहना है कि वे बिरसा मुंडा के अनुसूचित जनजातियों के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष और योगदान का सम्मान करते हैं, परन्तु एसोसिऐशन को आवंटित परिसर में उनकी मूर्ति स्थापित करने का कोई सरकारी आदेश नहीं था और केवल बलपूर्वक अनुसूचित जाति के सदस्यों की गरिमा को आहत करने के लिए यह कृत्य किया गया है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि 2022 में एसोसिऐशन के चुनाव में एक गुट चुनाव हार गया था, जिसने प्रतिशोध लेने के लिए एसोसिऐशन को आवंटित इस आवास की शांति भंग करने की कोशिश की है। इस मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया था कि मूर्ति स्थापित करने से पूर्व राजीव दत्ता व उनके सहयोगियों ने कोई तरीके की स्वीकृति प्राप्त नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस मामले में हाईकोर्ट के समक्ष दायर याचिका में कहा गया कि एसोसिऐशन के अधिकारी ''ट्राइबल'' महानायक बिरसा मुंडा द्वारा, अनुसूचित जनजाति के हकों के लिए किए गए संघर्ष का भरपूर सम्मान करते हैं, परन्तु जिस जोर-जबरदस्ती और अनाधिकृत तरीके से उनकी मूर्ति स्थापित की गई, उससे केवल अनूसूचित जाति की भावनाओं को आहत करने की कोशिश की गई है।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 2022 में एसोसिऐशन का चुनाव हार चुके एक गुट ने लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिड़ला, के ओ.एस.डी. के साथ मिलकर अनाधिकृत तरीके से मूर्ति लगाने का कृत्य किया।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एफ.आई.आर. भी दर्ज कराई गई थी, लेकिन, राजनैतिक दबाव के चलते एफ.आर. लगाकर मामले को ठण्डे बस्ते में डाल दिया गया।

अमेरिका ने 50% टैरिफ का नोटिफिकेशन जारी किया

नई दिल्ली, 26 अगस्त। अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना का ऐलान कर दिया है। यह वही टैरिफ है जिसकी घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पहले कर चुके हैं।

अमेरिकी होमलैंड सिक्यूरिटी विभाग ने एक ड्राफ्ट नोटिस जारी कर इसकी रूपरेखा पेश की। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है, जब रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते की कोशिशें ठप पड़ती नजर आ रही हैं।

- नोटिस के अनुसार 27 अगस्त को रात 12.01 के बाद भारत के गोदामों से निकले माल पर यह टैरिफ लगेगा।

नोटिस में साफ कहा गया है कि यह बढ़ा हुआ टैरिफ भारत के उन उत्पादों पर लागू होगा, जो 27 अगस्त, 2025 को सुबह 12:01 बजे (पूर्वी डेलाइट समय) के बाद खपत के लिए आयात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अन्याय को मिटाओ लेकिन अपने आप को मिटाकर नहीं। –प्रेमचंद

न्याय की लंबी डगर: निचली अदालतों में तारीखों पर तारीखें

भारतीय न्यायपालिका केवल उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ही नहीं है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि न्याय के इन्हीं उच्च स्तरों से अधिकांश विधिक ज्ञान की शुरुआत होती है। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि इन न्यायालयों में न्यायमूर्ति संवैधानिक सिद्धांतों की बारीकियों का अन्वेषण करते हैं, मौलिक अधिकारों के जटिल अंतर्संबंधों की व्याख्या करते हैं, और ऐसे निर्णय सुनाते हैं जो विधिक और लोकजगत दोनों पर अपनी छाप छोडते हैं। लेकिन यह भी सच है कि न्याय का असली संघर्ष निचली अदालत अर्थात 'ट्रायल कोर्ट' से शुरू होता है। भीडभाड वाली मजिस्ट्रेटी अदालतों और कम रोशनी वाली सिविल अदालतों में न्याय की यह प्रक्रिया हमेशा एक मोहर और एक तारीख से शुरू होती है, तथा तारीख पर तारीख का किस्सा बन कर बरसों चलती रहती है। देश के अधिकांश मुकदमों के लिए ये निचली अदालतें प्राय: पहला संपर्क बिंदु होती हैं। लेकिन अनोखी बात यह है कि यह व्यवस्था इस तरह से है कि एक भी न्यायाधीश किसी मामले की शुरुआत से अंत तक सुनवाई नहीं कर पाता है। उनका तबला होता रहता है। न्याय में अत्यधिक देरी भारतीय न्यायिक प्रशासन की सबसे बुनियादी समस्याओं में से एक है। लेकिन उससे निबटने के लिए ट्रायल कोर्ट के बारे में देश में विश्वसनीय, व्यापक और मानकीकृत आंकड़ों का भी अभाव है। जैसे भारत को कितने न्यायाधीशों की ज़रूरत है? जानकार लोग कहते हैं कि भारत के न्यायिक आंकड़े न केवल खराब हैं, बल्कि वे संरचनात्मक रूप से भी भ्रामक हैं। इसका प्रमाण न्यायिक पारदर्शिता की एक महत्वपूर्ण पहल राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) है, जिसकी कार्यप्रणाली की आलोचनाएं होती रहती हैं। जैसे उसके आंकड़ों में दो मिनट के प्रक्रियात्मक आदेश से निपटाए गए मामले को भी पूरी सुनवाई के बाद समाप्त हुए मामले के बराबर गिना जाता है। आलोचक कहते हैं कि न्याय विभाग का डेटा विंग ऐसे अधिकारियों से भरा पड़ा है जिनकी न तो कोई न्यायिक पृष्ठभूमि है और न ही अनुभवजन्य विशेषज्ञता है और न न्यायिक सूचना विज्ञान का कोई औपचारिक प्रशिक्षण।

भारत की न्याय व्यवस्था पर जब भी चर्चा होती है तो सबसे बड़ा आरोप उस पर यही लगता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, और कई बार तो इतनी देर से मिलता है कि उसका अर्थ ही बदल जाता है। आम नागरिक की अदालतों के प्रति सबसे बड़ी शिकायत यही है कि हर सुनवाई पर तारीख़ पर तारीख़ मिलती है, और अंतिम फ़ैसला आने में बरसों बीत जाते हैं। निचली अदालतें देश की न्याय व्यवस्था की नींव हैं और उन्हीं के भरोसे आम आदमी न्याय पाने के लिए अदालत का दरवाज़ा खटखटाता है। न्याय मिलने में लंबे विलंब के दुष्परिणाम से भी सभी वाक़िफ़ हैं?

फैसलों में देरी का कारण लंबित मामलों का बोझ बताया जाता है। भारत की अदालतों में लटके पड़े मामलों की संख्या चौंकाने वाली है। विभिन्न विधिक संगठनों की रिपोर्टें बार-बार चेतावनी देती रही हैं कि देशभर की अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत से अधिक निचली अदालतों में अटके हुए हैं। कारण साफ है-केवल सीमित संख्या में जज और कर्मचारी हैं, जबकि मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ती जाती है। भारत में औसतन प्रति दस लाख आबादी पर केवल 20 न्यायाधीश उपलब्ध हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक इसके कई गुना अधिक का सुझाव देता है। यानी, जजों की संख्या मुकदमों के बोझ के हिसाब से बेहद कम है। जब एक जज को रोज़ाना दर्जनों मुकदमों की सुनवाई करनी पड़ती है, तो अनिवार्य रूप से अधिकांश मामलों में केवल अगली तारीख़ देना ही संभव हो पाता है। भारतीय न्याय प्रणाली में प्रक्रियागत जटिलताएं भी कम नहीं हैं। भारतीय दंड संहिता, सिविल प्रक्रिया संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता जैसे कानूनों में प्रक्रियाएं इतनी जटिल और लंबी हैं कि उनका पालन करने में ही कई बार वर्षों खप जाते हैं। हालांकि इन कानूनों में बदलाव लाये गये हैं किन्तु उनका असर होने लगा हो ऐसा संकेत कहीं से नहीं मिल रहा है। गवाहों की पेशी, सबूतों का संग्रह, पुलिस रिपोर्ट, सरकारी विभागों से अनुमति या कागज़ात, विशेषज्ञ राय और अपील की प्रक्रिया-ये सब मिलकर एक मुकदमे को लंबा खींच देते हैं। सिविल मामलों में तो स्थिति और भी विकट है। ज़मीन-जायदाद, पारिवारिक विवाद, या अनुबंधों से जुड़े मामलों में बार-बार दस्तावेज़ों की मांग, गवाहों की अनुपस्थिति और अपील की अंतहीन श्रृंखला न्याय की गति को और धीमा कर देती है। न्याय प्रक्रिया में देरी के लिए वकीलों और पक्षकारों की भूमिका को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कई बार देरी का बड़ा कारण वकीलों और पक्षकारों का रवैया भी होता है। पक्षकार जानबूझकर सुनवाई टालने की कोशिश करते हैं ताकि मामला लंबा खिंचे और सामने वाले को थका दिया जाए। कई वकील भी तारीख़ पर तारीख़ लेने की नीति अपनाते हैं, क्योंकि लंबा मुकदमा उनके लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित होता है। इसके अतिरिक्त, गवाहों की अनुपस्थिति या पुलिस द्वारा समय पर चार्जशीट दाख़िल न करना भी मामलों को आगे बढ़ने से रोक देता है। कई बार गवाहों को धमकाने या उन्हें मैनेज करने के मामले भी सामने आते हैं, वे पलट जाते हैं या पेश ही नहीं होते। ऐसे में अदालत को मजबूर होकर अगली तारीख़ देनी पड़ती है।

न्याय में देरी के दुष्परिणाम पर कम ही विचार हुआ है। न्याय अर्थहीन हो जाता है जब फैसला आने में बीस-बीस साल लग जाते हैं। तो कई बार जब पीड़ित पक्ष ही जीवित नहीं रहता है तब फैसला केवल कागज़ी महत्व का रह जाता है। इसीलिए लोग अदालतों से निराश होकर न्याय के लिए अन्य रास्ते अपनाने लगते हैं। यह लोकतंत्र और विधि के शासन के लिए खतरनाक होता है।

जानकार लोग देरी के लिए न्याय प्रणाली में तकनीकी ढांचे की कमी को भी इंगित करते हैं। आज जब डिजिटल क्रांति हर क्षेत्र में पहुंच चुकी है, तब भी निचली अदालतों की कार्यप्रणाली पूरी तरह तकनीकी रूप से आधुनिक नहीं हो सकी है। ई-कोर्ट और वर्चुअल हियरिंग की पहल उच्च न्यायालयों में तो हुई है, लेकिन यह अभी पूरी तरह ज़मीनी स्तर या निचली अदालतों तक नहीं पहुंची है। निचली अदालतों में कंप्यूटर, इंटरनेट और प्रशिक्षित कर्मचारियों की भारी कमी है। नतीजतन, फाइलें ढूंढने, कागज़ात तैयार करने और आदेश दर्ज करने में अनावश्यक विलंब होता है।

कहा जाता है कि भारत में सबसे अधिक मुकदमें सरकार की तरफ से दर्ज होते हैं या गलत सरकारी निर्णयों के कारण दर्ज होते हैं इसलिए अदालतों में मुकदमों की इतनी अधिकता नज़र आती है। अदालतों में लंबित मुकदमों का बड़ा हिस्सा सरकार बनाम नागरिक वाले मामले होते हैं। कर, ज़मीन अधिग्रहण, सेवा विवाद, या अन्य प्रशासनिक निर्णयों के खिलाफ नागरिक अदालतों का रुख करते हैं। सरकार अपील दर अपील करती रहती है, जिससे मुकदमे वर्षों तक चल पड़ते हैं। निचली अदालतों में सरकारी वकीलों की अनुपस्थिति या उनकी तैयारी की कमी भी देरी को बढ़ाती है। सरकारी वकीलों की तैयारी की कमी की टिप्पणियां अदालती फैसलों में भी आती रहती है। न्यायिक संस्कृति और मानसिकता की दृष्टि से देखें तो भारतीय न्याय व्यवस्था में यह मानसिकता अब भी गहरी है कि "सभी पक्षों को पूरा अवसर मिलना चाहिए।" यह सिद्धांत सही है, लेकिन कई बार इसी के नाम पर बार-बार सुनवाई टाल दी जाती है। पश्चिमी देशों में मामलों की समयबद्ध सुनवाई होती है और अदालतें एक निश्चित समयसीमा में फ़ैसला देने को बाध्य होती हैं। भारत में ऐसी सख्ती का अभाव है।

न्याय में देरी के दुष्परिणाम पर कम ही विचार हुआ है। न्याय अर्थहीन हो जाता है जब फैसला आने में बीस-बीस साल लग जाते हैं। तो कई बार जब पीड़ित पक्ष ही जीवित नहीं रहता है तब फैसला केवल कागज़ी महत्व का रह जाता है। इसीलिए लोग अदालतों से निराश होकर न्याय के लिए अन्य रास्ते अपनाने लगते हैं। यह लोकतंत्र और विधि के शासन के लिए खतरनाक होता है। लंबी मुकदमेबाजी गरीब और मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से तोड़ देती है। वकीलों की फीस, तारीख़ पर आने-जाने का खर्च और समय की बर्बादी लोगों को हतोत्साहित करती है जब मामलों का निपटारा देर से होता है, तो अपराधियों को छूट मिल जाती है। गवाह थक जाते हैं, सबूत कमजोर पड़ जाते हैं और दोषी बरी हो जाते हैं। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी सुधार आवश्यक हैं। आबादी और मुकदमों के अनुपात में न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाने की जरूरत है। तकनीकी सशक्तिकरण के लिए निचली अदालतों में ई-फाइलिंग और वर्चुअल हियरिंग को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए उन्हें पूरी तरह डिजिटल बनाया जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा हर प्रकार के मुकदमे के लिए एक निश्चित समय सीमा तय होनी चाहिए, ताकि तारीख़ पर तारीख़ देने की प्रवृत्ति खत्म हो। सरकार को हमेशा अपील करो की नीति छोड़नी चाहिए। केवल गंभीर और महत्त्वपूर्ण मामलों में ही अपील की जाए। छोटे-मोटे विवादों को अदालत में लाने के बजाय लोक अदालत, मध्यस्थता और पंचायती व्यवस्था से सुलझाया जाने को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। जानबूझकर मुकदमे लटकाने वालों पर जुर्माना लगाने की व्यवस्था की भी अनेक लोग सिफ़ारिश करते हैं। गवाहों को सुरक्षित और सहज वातावरण देना भी जरूरी है ताकि वे समय पर आकार अदालत में गवाही दे सकें।

तारीख़ पर तारीख़ का दर्द केवल किसी फिल्मी संवाद की सच्चाई नहीं है, बल्कि भारत के करोड़ों नागरिकों का जीता-जागता अनुभव है। न्याय में यह विलंब लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करता है। न्यायपालिका को अब ऐसे ठोस कदम उठाने होंगे जिससे कि हर नागरिक को समय पर और निष्पक्ष न्याय मिल सके। न्याय देर से मिलना, न्याय न मिलने के बराबर है। निचली अदालतों में लंबित मामलों के बोझ और तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति को खत्म करना ही होगा। यही सच्चे लोकतंत्र और विधि के शासन की कसौटी है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

मैनेजमेंट के आदि गुरु की विभिन्न मुद्राओं के अंदर छिपा है जीवन को सुखमय मनाने का रहस्य

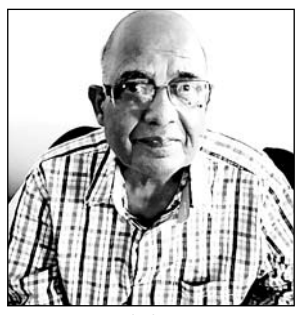

डॉ. जे.के. गर्ग

गणेश में गण का अर्थ है वर्ग और समूह और ईश का अर्थ है स्वामी अर्थात जो समस्त जीव जगत के ईश हैं वहीं देवों के देव भगवान गणेश ही है। इसलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक गणपति के नाम से भी जाना जाता है। गणेशजी की चार भुजाएं चारों दिशाओं में सर्वव्यापकता की प्रतीक हैं। शिव मानस पूजा में श्री गणेश को प्रणव (ॐ) कहा गया है। इस एकाक्षर (ॐ ब्रह्म में ऊपर वाला भाग गणेश का मस्तक, नीचे का भाग उदर, चंद्रबिंदु लड्डू और मात्रा सूँड है)। विघ्नहर्ता गणेशजी की व्याख्या करने से स्पष्ट होता है कि गज दो व्यंजनों से यानि ग एवं ज से बना हैं, यहाँ अक्षर जन्म और उद्गम का परिचायक है वहीं ग गति और गन्तव्य का प्रतीक है। निसंदेह हमें गज से जीवन की उत्पति और अंत का संदेश मिलता है यानि हमारे नश्वर शरीर को जहाँ से आया है वहीं पर वापस जाना है। निसंदेह जहाँ जन्म है वहां म्रत्यु भी है। सच्चाई तो यही है कि विनायक गणेशजी के शरीर की शारीरिक रचना के भीतर भोले शंकर शिवजी की सूक्ष्म सोच निहित है, भगवान शिव ने गणेशजी के अंदर न्यायप्रिय, योग्य, कुशल एवं सशक्त शासक के समस्त गुणों के साथ उनके अंदर देवों के सम्पूर्ण गुण भी समाहित किये हैं।

गणेशजी की मूर्ति का विसर्जन क्यों किया जाता है ?

भाद्र शुक्ल चतुर्थी को गणेशजी की मूर्ति की स्थापना ढोल-नगाड़े के साथ घरों में जाती है। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से अगले 10 दिन के बाद देश के विभिन्न प्रान्तों में गणपति बप्पा मोरिया, मंगल मूर्ति मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आना के नारों के साथ गणपति की मूर्ति का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ सरोवरों में किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से अगले 10 दिन तक गणपति को वेद व्यास जी ने भागवत कथा सुनाई थी। गणेश जी की शर्त थी कि महर्षि एक क्षण के लिए भी कथावाचन में विश्राम ना लेंगे। यदि वे एक क्षण भी रूके, तो गणेश जी वहीं लिखना छोड़ देंगे। महर्षि ने उनकी बात मान ली और साथ में अपनी भी एक शर्त रख दी कि गणेश जी बिना समझे कुछ ना लिखेंगे। हर पंक्ति लिखने से पहले उन्हें उसका मर्म समझना होगा। गणेश जी ने उनकी बात मान ली। इस कथा को गणपति जी ने अपने दाँत से लिखा था। दस दिन तक लगातार कथा सुनाने के बाद वेद व्यास जी ने जब आंखें खोली तो पाया कि लगातार लिखते-लिखते गणेश जी के शरीर का तापमान काफी बढ़ गया है। महर्षि वेद व्यास जी ने गणेश जी को आदेश दिया कि वो तुरंत पास के कुंड में डुबकी लगा कर अपने आप को ठंडा कर लें। अत: इसी मान्यता के अनुसार गणेशजी की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है।

हाथ में अंकुश: -गणेशजी का अंकुश हमें अपने लक्ष्य की और केन्द्रित रहते हुए हमेशा आगे बड़ने का पाट पढ़ाता है। मनुष्य को अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिये सतत प्रयास करते हुवे निरंतर आगे बढ़ना ही होगा। गणेशजी के हाथ में अंकुश हम सभी को भौतिकता से आध्यात्मिकता की तरफ चलने की शिक्केषा भी देता है।

आशीर्वाद की मुद्रा में हाथ : निर्सविवाद रूप से जीवन में हमेशा जीत उन व्यक्तियों की होती है जो परिस्थितियों के अनुसार अपने आप को परिवर्तित करके आगे बड़ते हैं। गणेशजी के आशीर्वाद की मुद्रा में हाथ हमें परिस्थतीयों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता विकसीत करने की सीख देता है। अत: भगवान गणेशजी का आशीर्वाद की मुद्रा में हाथ हमको उच्च कार्यक्षमता और अनुकूलन क्षमता प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

चूहे की सवारी: सभी देवी-देवता गणेशजी की बुद्धिमता के कायल हैं, तर्क-वितर्क में हर देवी-देवता गणेशजी से हार जाते थे। प्रत्येक समस्या के मूल में जाकर उसकी मीमांसा एवं विवेचना कर उसका तर्कसंगत हल खोजना उनकी विशेषता है इसलिए हर एक के मन में यह सवाल उठना लाजमी है कि भगवान गणेशजी ने निकृष्ट माने जाने वाले चूहे (मूषक) को ही अपना वाहन क्यों चुना? इसी सन्दर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि चूहा भी तर्क-वितर्क में किसी से पीछे नहीं रहता है, चूहे का काम हर किसी भी वस्तु को कुतर डालना है। जो भी वस्तु या चीज चूहे को दिखाई देती है, चूहे महाराज उसकी चीर फाड़ करके उसके प्रत्येक अंगो का विस्तृत विश्लेष्ण सा कर देते है, अत: संभवत गणेशजी ने चूहे के इन्हीं गुणों को देख कर चूहे को अपना वाहन चुना होगा। गणेशजी की चूहे की सवारी के बारे में यह भी कहा जाता है कि जैसे चूहे की इच्छा कभी पुरी नहीं होती, उसे कितना मिले हमेशा खाता रहता है वैसे ही मनुष्य की इच्छायें भी कितना भी मिले कभी पुरी नहीं होती क्योंकि लोभी आदमी का लालच कभी भी नहीं खत्म होता है। गणेश हमेशा चूहे की सवारी करते हैं इसका अर्थ है कि बेकाबू इच्छायें हमेशा विध्वंस का कारण बनती है। इनको काबू में रखते हुए इन पर राज करो, न कि इन इच्छाओं के मुताबिक खुद को उनमें लिप्त हो जा हो क्योंकि मनुष्य की इच्छायें और कामनाएं कभी भी पूरी नहीं होती है वरन आदमी इच्छाओं के मकड जाल में फसं कर असंतुष्ट तनावग्रस्त और दुखी रह कर अपने जीवन को बर्बादी के कगार पर ले आता है। अत: निसंदेह गणेशजी की चूहे की सवारी इन्सान की कभी भी पूरी नहीं होने वाली इच्छाओं का परिचायक है।

खड़े होने का भाव: गणेशजी की यह अवस्था बताती है कि दुनिया में रहते हुए मनुष्य को सांसारिक कर्म भी करने जरूरी है। वस्तुत: इन सबमें एक संतुलन बनाये रखते हुए उसे अपने सभी अनुभवों को परे रखते हुए अपनी आत्मा से जुड़े रखना चाहिए और अपने जीवन को आध्यात्मिकता सेजोड़ कर अंतर मुखी बनना चाहिए।

हाथी का सिर : इस कहावत से हम सभी परिचित हैं कि बड़ा सिर सरदार और बड़ा पांव गवांर का गणपति का बड़ा सिर खुशहाल जीवन जीने के लिये इंसान के अन्दर मौजूद असीमित बुद्धिमत्ता का प्रतीक है, वहीं विनायक के बड़े कान अधिक ग्राह्यशक्ति के प्रतीक हैं। गजानन लंबोदर हैं क्योंकि समस्त चराचर सृष्टि उनके उदर में ही विचरती है। हम लोगों यह भी जानना चाहिए कि गणपति के बड़े कान उनकी सर्वाधिक ग्राह्य शक्ति को दर्शाती है गजकर्णक की लंबी नाक (सूंड) महा बुद्धित्व का प्रतीक है।

विनायक का एक दंत:- विनायक का एक दंत: यह बतलाता है कि अच्छाई और अच्छों को अपने पास रक्खो वहीं बुराई और बुरों का साथ तुरंत छोड़ दो। गणेशजी के बाई तरफ का दांत टूटा है। इसका एक अर्थ यह भी है कि मनुष्य का दिल बाई और होता है, इसलिए बाई और भावनओं का उफान अधिक होता है, जबकि दाई और बुद्धीपरक होता है। बाई और का टूटा दांत इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य को हमेशा अपनी भावनाओं पर बुद्धि और विवेक से नियन्त्रण रखना चाहिए। **छोटी आँखें:** गणेशजी की छोटी-पैनी आँखें हमें सिखाती है कि हमें सूक्ष्म एवं तीक्ष्ण दृष्टि वाला बनना चाहिये। सफलता प्राप्ति के लिये आदमी को एकाग्र चित्त बन कर अपना ध्यान हमेशा अपने लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए अपने मन पर नियंत्रण रखना चाहिए और मन को इधर-उधर भटकने से रोकना चाहिये। **बड़ा पेट:** विघ्ननाशक गणेश जी का बड़ा पेट हमें सिखाता है कि मनुष्य को अच्छी-बुरी सभी बातों-भावों को समान भाव से ठाहण करना चाहिए, उन्हें समान भाव से लेना चाहिये। दूसरे शब्दों में गणेशजी का बड़ा पेट मनुष्य को उदार आदतों का धनी बनने की सीख देता है। जीवन में कुछ बातों को पेट में पचा लेना चाहिये। धीर और गम्भीर पुरुषों का समाज में सम्मान होता है।

क्यों सिर्फ माता पिता के चरणों में ही बसता है समस्त संसार?

एक बार देवता अनेकों आपदाओं में घिरे हुए थे, तब वे मदद मांगने भगवान शिव के पास आए। देवताओं की बात सुनकर शिवजी के दोनों पुत्रों कार्तिकेय व गणेशजी ने शिवजी से देवताओं की मदद करने की आज्ञा मांगी, तब भगवान शिव ने दोनों की परीक्षा लेते हुए कहा कि तुम दोनों में से जो सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके आएगा वही देवताओं की मदद करने जा सकेगा। भगवान शिव के मुख से यह वचन सुनते ही कार्तिकेय तो अपने वाहन मोर पर बैठकर पृथ्वी की परिक्रमा के लिए निकल गए। किन्तु गणेशजी सोच में पड़ गए कि वह चूहे के ऊपर चढ़कर सारी पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे तो इस कार्य में उन्हें बहुत समय लग जाएगा। तभी गणेशजी को एक उपाय सूझा। गणेश अपने स्थान से उठें और अपने माता-पिता की सात बार परिक्रमा करके वापस बैठ गए।

विघ्नहर्ता गणेश जी एक मुद्रा में कलिंग सांप के फन के ऊपर नृत्य कर रहे हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत दर्शाता हैं। अपने इस स्वरूप में भगवान गणेश कलियुग के उन लोगों की सहायता करते हैं जो अपने अच्छे कर्मों के बावजूद, समस्याओं को झेल रहे हैं। अलिंग अपने इस स्वरूप में भगवान गणेश कलिंग नामक सांप के फन के ऊपर नृत्य कर रहे हैं। यह बुराई पर अच्छाई की विजय को दर्शाता। बुद्धि ऋद्धि सिद्धि सुख स्वास्थ्य सम्पन्नता को देने वाले देव देवों गणपति भगवान के श्री चरणों मे कोटि कोटि प्रणाम। 27 अगस्त 2025 को देश प्रथम पूज्य भगवान विनायक का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मना रहा है।

-डॉ. जे.के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल अजमेर में साहित्यिक महाकुंभ के चौदहवें संस्करण का समापन

साहित्यिक प्रतियोगिता में देशभर से 22 विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया

जयपुर/अजमेर। अजमेर स्थित मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल में चार दिवसीय साहित्यिक महाकुम्भ रजत जयंती स्मृति युवा विचारक सम्मेलन-2025' कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस साहित्यिक प्रतियोगिता में देशभर से 22 विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने रजत जयंती स्मृति अन्तर्विद्यालयीय हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता विचारवाणी, हिंदी सृजनात्मक स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता सृजन अभिव्यक्ति: मन की उड़ान, इंग्लिश एनैक्ट्मन्ट / ड्रामाटिक्स, मल्टी फॉर्मेट इंग्लिश डिबेट, इंग्लिश सृजनात्मक लेखन, सामान्य क्विज़ जैसी विविध प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया।

मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल अजमेर में रजत जयंती स्मृति युवा विचारक सम्मेलन-2025 संपन्न हुआ।

- वाद-विवाद, काव्य पाठ, ड्रामाटिक्स, सामान्य क्विज़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ
- समारोह में अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगितां के विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

कार्यक्रम में मेयो एल्युमनाई एसोसिएशन, जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष एवं जनसंपर्क विशेषज्ञ, जगदीप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता और उपविजेताओं टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अनूठे कार्यक्रम को प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रणब मुखर्जी ने क्यूरेट किया। समापन समारोह पर मुख्य अतिथि जगदीप सिंह ने अपने संबोधन में विद्यालय की प्राचार्या, प्रबंधन तथा कार्यक्रम के संयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल सदैव उत्कृष्टता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल करियर की तैयारी नहीं है, यह जीवन की तैयारी है। सदैव जिज्ञासु और रचनात्मक बनें।

जॉन लेनन का उदाहरण देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि चाहे आप पायलट बनें, इंजीनियर या उद्यमी बनें, अपने भीतर की मानवीयता को कभी न खोएं। सदैव प्रसन्न रहें और जीवन को समझने का प्रयास करें।

इस चार दिवसीय प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार रहा :- हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विजेता मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल अजमेर रहा। हिंदी सृजन-अभिव्यक्ति: मन की उड़ान स्वरचित काव्य रचना और अभिनय के विजेता मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल, अजमेर से जाह्नवी सोमानी और छवि सिंह रहे।

मल्टी फॉर्मेट अंग्रेजी डिबेट प्रतियोगिता में बेस्ट डेलिगेशन के साथ मेयो कॉलेज, अजमेर विजेता रहा। अंग्रेजी सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में बेस्ट डेलिगेशन अवॉर्ड सनबीम स्कूल, लहरतारा ने जीता। इंग्लिश एनैक्ट्मन्ट/ड्रामाटिक्स में बेस्ट डेलिगेशन ट्रॉफी बिरला विद्या मंदिर, नैनीताल ने जीती। वहीं, सामान्य क्विज़ में ओवरऑल बेस्ट डेलिगेशन में के सी पब्लिक स्कूल जम्मू विजेता रहा।

इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या नीति भल्ला सैनी ने सभी प्रतिभागी विद्यालयों को बधाइयां एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपने संबोधन में आत्म-चिंतन के महत्व पर जोर दिया, जिससे हम खुद के भीतर झांक सकें, विचार कर सकें और सभी प्रकार के कौशलों में कई गुना वृद्धि कर सकें।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 27 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र गुरूवार प्रात: 8:44 तक, शुभ योग दिन 12:34 तक, विष्टि करण दिन 3:45 तक, चन्द्रमा सायं 7:21 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 3:45 तक है। आज महागणपति चतुर्थी है। शास्त्रों के अनुसार गणेश पूजन का श्रेष्ठ समय दिन 11:13 से दिन 1: 45 तक रहेगा। दिन 12:11 से दिन 1:45 तक वृश्चिक लग्न और भी श्रेष्ठ रहेगा। आज जैन संवत्सरी (चतुरथी पक्ष) है। आज से गणेश महोत्सव आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:53 से 12:28 तक, चर 3:39 से 5:14 तक, लाभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:49

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। धार्मिक-मांगलिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

वृष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

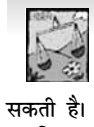

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

मीन

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सार-समाचार

जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा

रतनगढ़ (निसं)। राजगढ़ उपखंड अधिकारी के कथित हठधर्मी रवैये से आहत शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने लामबंद होकर अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने रतनगढ़ उपखंड अधिकारी को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें राजगढ़ एसडीएम द्वारा जारी कथित गैरकानूनी नोटिसों को तत्काल वापस लेने की मांग की गई है। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गई तो पूरे जिले और प्रदेश में आंदोलन तेज किया जाएगा। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के ब्लॉक अध्यक्ष भंवरलाल पूनिया और ब्लॉक मंत्री भोजराज शर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रांतीय संयुक्त मंत्री शुभकरण नैण,वरिष्ठ शिक्षक नेता चौथमल चिनिया, कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सीगड़, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल मुंदलिया, सभाध्यक्ष रामचंद्र ऐचरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकरलाल मीणा और संयोजक उम्मेद कुम्हार ,वेदप्रकाश अग्रवाल, पन्नालाल जांघू ने बताया, ''राजगढ़ एसडीएम ने हमारे संगठन के जिलामंत्री सहित तीन शिक्षकों को बिना किसी उचित आधार के नोटिस थमा दिए हैं। यह न केवल गैरकानूनी है, बल्कि शिक्षक समुदाय की आवाज को दबाने का स्पष्ट प्रयास है।'' उन्होंने कहा कि पिछले 13 दिनों से राजगढ़ के शिक्षक धरने पर बैठे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। 'यह अलोकतांत्रिक रवैया है। हमारी मांग है कि नोटिस वापस लिए जाएं और धरने पर बैठे शिक्षकों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए,' यदि उनकी मांगें अनसुनी रहीं तो पूरे चूरू जिले और राजस्थान भर में विरोध प्रदर्शन आयोजित करेंगे।

तेजा दशमी शोभायात्रा की तैयारियां शुरू

पाटन (निसं)। लोक देवता, सत्य के प्रतीक, और गौ-रक्षक वीर तेजाजी महाराज के पावन दशमी पर्व के अवसर पर आगामी 2 सितंबर को आयोजित होने वाली विशाल शोभायात्रा की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसी क्रम में पोस्टर विमोचन अभियान के तहत आज ग्राम गोविंदपुरा और नया नगर में शोभायात्रा का भव्य पोस्टर जारी किया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य तेजा भक्तों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवा साथियों की उपस्थिति में शोभायात्रा की जानकारी साझा की गई। सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया कि वे इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के चरणों में अपनी आस्था प्रकट करें। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए वीरांगना कविता सामोता, प्रदेश सह-संयोजक, सैनिक प्रकोष्ठ, भाजपा राजस्थान ने कहा वीर तेजाजी केवल एक देवता नहीं, बल्कि राजस्थान की संस्कृति, सत्य और साहस के प्रतीक हैं। हमारी यही कामना है कि तेजाजी महाराज सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करें और उनके जीवन में सुख-समृद्धि लाएं।कार्यक्रम में विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की भागीदारी सराहनीय रही। गांव-गांव में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखा गया, जिससे स्पष्ट है कि आने वाली शोभायात्रा ऐतिहासिक और अविस्मरणीय होगी।

तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत 13 सितम्बर को

सीकर (निसं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार 13 सितम्बर 2025 (द्वितीय शनिवार) को वर्ष 2025 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सीकर जिला मुख्यालय एवं तालुका विधिक सेवा समितियों पर किया जायेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर शालिनी गोयल ने बताया की राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर लंबित प्रकरणों का त्वरित सुगम एवं निःशुल्क निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में न केवल समय और धन की बचत होगी, बल्कि पक्षकारों को आपसी सहमति से स्थायी समाधान भी प्राप्त होगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक संबंधी मामले, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, विद्युत शुल्क विवाद, अम विवाद, वैवाहिक प्रकरण, भरण पोषण संबंधी मामले तथा दीवानी और फौजदारी से जुडे राजीनामा योग्य प्रकरण रखे जाएंगे। साथ ही विगत 6 माह से अधिक अवधि के ट्रैफिक चालान, कैमरा चालान, इंटरसेप्टर चालान तथा अन्य प्रकार के मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित प्रकरण भी शामिल किए जाएगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर समस्त विभागों, अधिवक्ताओं एवं आमजन से अपील करता है कि वे अधिक से अधिक मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत कर इसका लाभ उठाएँ।

विधायक गोदारा ने जनसुनवाई की

रतनगढ़ (निसं)। विधायक पूसाराम गोदारा ने शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय विधायक आवास पर जनसुनवाई की। विधानसभा क्षेत्र रतनगढ़ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी जनसमस्याएं लेकर विधायक की जनसुनवाई में पहुंचे। विधायक ने एक-एक व्यक्ति की समस्या सुनकर जल्द समस्या समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान शहर एवं गांवों में जलसप्लाई को सुदृढ़ करने, कस्बे एवं गांवों में विद्युत आपूर्ती सुदृढ्ढ करने, सड़कों की मरम्मत/नवीनीकरण, चिकित्सा, शिक्षा सहित, नगरपालिका से संबंधित समस्याओं के बारे में शहर वासियों व ग्रामीणों ने विधायक को अवगत करवाते हुए समाधान की मांग की,जिसपर विधायक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द समस्या समाधान के सख्त निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अरविंद चाकलान, राजकुमार सिहाग, भानी राम मेघवाल, विक्रम थालौड़, रणजीत खोथ, बीजू सोनी, चुन्नी लाल, चरण सिंह कोका, मांगी लाल मेघवाल, भंवरलाल बीरड़ा, सहीराम सहित कस्बे वासी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

गणेश महोत्सव आज से

सीकर, (निसं)। श्री महादेव नवयुवक मंडल द्वारा गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में तीन दिवसीय गणेश महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मंडल संरक्षक आनंद सिंह कच्छावा सवाई सिंह निर्वाण ने बताया कि सिटी डिस्पेंसरी नंबर दो के पीछे शिवजी मंदिर के पास आयोजित होने वाले तीन दिवसीय महोत्सव में रिद्धि सिद्धि के दाता भगवान श्री गणेश जी महाराज की संत महात्माओं की उपस्थिति में पूजा अर्चना के साथ सुबह शाम आरती के साथ महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन तथा शाम को प्रतिदिन आरती के पश्चात नन्ही मुन्नी बच्चियों द्वारा धार्मिक नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति दी जाएगी मंडल संरक्षक ने बताया कि धार्मिक आयोजन के मुख्य अतिथि तत्कालीन सभापति जीवण भाजपा प्रदेश पूर्व मंत्री मधु कुमावत भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अनीता शर्मा सीकर शहर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सुल्तान सैनी व राकेश धीवा अध्यक्ष सरस पार्लर विक्रेता संघ पलसाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री जनधन शिविर आज

सीकर, (निसं)। अग्रणी जिला प्रबंधक ननंद लाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन शिविर का आयोजन नीमकाथाना के कोटड़ा में 27 अगस्त को आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि नागरिकों को मुख्यधारा की बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री जनधन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 30 सितम्बर 2025 तक विभिन्न पंचायत स्तरों पर चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जाएंगे। शिविर में प्रधानमंत्री जनधन खाता खोलना, पीएमजेडीवाई खातों में नामांकन, पीएमजेडीवाई खातों में पुनः कार्यवाही), पीएमजेजेबीवाई नामांकन, पीएमएसबीवाई नामांकन, पीएमएपीवाई नामांकन और साइबर धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता के लिए आयोजित किया जायेगा।

स्वास्थ्य समिति की बैठक आज

सीकर, (निसं)। चिकित्सा विभाग की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक 27 अगस्त को होगी। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में दोपहर चार बजे जिला कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में होने वाली बैठक में चिकित्सा विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक महरिया ने दी।

अनंत चतुर्दशी पर मांस बिक्री प्रतिबंधित

सीकर, (निसं)। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि जैन धर्म के पावन पर्व पर्यूषण व संवत्सरी 27 अगस्त 2025, बुधवार तथा अनंत चतुर्दशी 6 सितम्बर 2025, शनिवार के अवसर पर नगर परिषद क्षेत्र में सभी बूचड़खाने एवं मांस, मछली, अंडे की दुकानों को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

अनुष्का मोदी ने सीएस परीक्षा पास की

झुंझुनूं, (निसं)। श्री खेमी शक्ति रोड निवासी स्व. जयप्रकाश मोदी की सुपौत्री अनुष्का मोदी ने कम्पनी सेक्रेटरी की परीक्षा उतीर्ण की। अनुष्का के ताऊ रमाकांत मोदी व सपना ने बताया कि बाबा गंगाराम की कृपा से सफलता मिली है। सफलता में छात्रा अनुष्का ने पिता कृष्ण कुमार, माता ममता, भाई रौनक सहित परिवार का सहयोग बताया।

पीएम ई-विद्या जैसे प्लेटफॉर्म से शिक्षक और विद्यार्थी दोनों नई दिशा में आगे बढ़ सकते हैं : राठौड़

चूरू (निसं)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) चूरू में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यालयों में तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग को लेकर पीएम ई-विद्या डीटीएच कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 22 और 23 अगस्त को दो चरणों में सम्पन्न हुई, जिसमें जिले के सभी सातों ब्लॉकों के लगभग 80 प्रधानाचार्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं डाइट प्राचाय डॉ. गोविन्द सिंह राठौड ने की। उन्होंने कहा कि आज के समय में डिजिटल शिक्षा ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कुंजी है। पीएम ई-विद्या जैसे प्लेटफ़ॉर्म से शिक्षक और विद्यार्थी दोनों नई दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। डाइट चूरू का यह प्रयास भविष्य की पीढ़ी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रशिक्षण प्रभारी डाइट उप प्राचार्य, नरेंद्र उपाध्याय रहे। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानाचार्यों की सक्रिय भागीदारी इस कार्यशाला की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

चूरू में पीएम ई-विद्या डीटीएच पर कार्यशाला आयोजित हुई।

डिजिटल संसाधनों के उपयोग से शिक्षा अधिक रोचक, सुलभ और प्रभावी बन सकती है। हम चाहते हैं कि इस प्रशिक्षण का लाभ प्रत्येक विद्यालय तक पहुँचे। राज्य संदर्भ व्यक्ति प्रधानाचार्य सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि पीएम ई विद्या पहल को 6 प्रमुख घटकों के माध्यम से क्रियान्वित किया जा गया है जो इस प्रकार हैं-दीक्षा वन नेशन, वन डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में स्कूली शिक्षा के लिए डिजिटल अवसंरचना,डीटीएच टीवी चैनल (200) वन क्लास-वन चैनल के रूप में स्कूली शिक्षा के लिए, स्वयं स्कूल शिक्षा के लिए एमओओसी प्रारूप में पाठ्यक्रम, कम्युनिटी रेडियो स्टेशन और पॉडकास्ट - स्कूली शिक्षा के लिए, दिव्यांग छात्रों के लिए ई-कंटेंट स्कूली शिक्षा के लिए, आईआईटी-पीएएल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए है।

इन छह घटकों को मल्टीमॉडल एक्सेस के लिए सक्षम किया गया है, अर्थात ये डिजिटल, ऑनलाइन और ऑन-एयर माध्यमों से अलग-अलग तथा एक साथ विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (जैसे टेलीविज़न, रेडियो, वेबसाइट, मोबाइल ऐप्स आदि) के माध्यम से उपयोग किए जा सकते हैं। इससे उपयोगकर्ताओं के लिए ई-सामग्री का एकीकृत और सुलभ उपयोग सुनिश्चित होता है। डाइट उप प्राचार्य नरेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह इस कार्यशाला के राज्य संदर्भ व्यक्ति सुनील शर्मा के द्वारा बनाए गए ही कंटेंट राष्ट्रीय स्तर दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित हो रहे हैं जिनके अनुभव का लाभ इस कार्यशाला में प्रदान किया गया। प्राचार्य मुकुल भाटी ने कोड चुरु कार्यक्रम के बारे में बताया। सचिन कुमार ने नई शिक्षा नीति के परिपेक्ष में ही कंटेंट का महत्व बताया। संयोजक दशरथ नैन और सुरेश डूडी ने प्रशिक्षण के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, डाइट के आई.एफ.आई.सी. प्रभागाध्यक्ष डॉ. विजय लक्ष्मी शेखावत तथा महेंद्र शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए ई-लर्निंग की बढती उपयोगिता पर जोर दिया। इस अवसर पर प्राचार्य बालकृष्ण शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये।

विद्यालय में 201 पेड़ लगाए

राजलदेसर (निसं)। कस्बे में दस्सुसर रोड पर स्थित स्वामी विवेकानंद विद्यालय में मंगलवार सुबह 10 बजे विद्यालय के संस्थापक श्रवणाराम आचरा की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के द्वारा विद्यालय में 201 पेड़ लगाए गए।

कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें भोले बाबा बगीची के संत सुरजीत नाथ महाराज ने विद्यालय संस्थापक श्रवणाराम आचरा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इस पर निजी शिक्षण संस्थान के जिला अध्यक्ष भुवनेश्वर शर्मा, तहसील अध्यक्ष रतन सिंह, युवा विकास समिति के अध्यक्ष बारूपाल, मंत्री मदन दाधीच, राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के जिला अध्यक्ष शिवभगवान सोनी, महामंत्री भजनलाल पारीक, व स्वामी विवेकानंद विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार, प्रियंका, अनीता, आराधना, सोनिया, विमला, अंजू आदि ने पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गणेश चतुर्थी आज

झुंझुनूं, (निसं)। सेठ श्री धर्मदास तुलस्यान चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर श्री गणेश मन्दिर के दर्शनार्थियों के लिए 27 सितंबर बुधवार को सुबह नौ बजे से हरि इच्छा तक विशाल शीतल जल एवं फलों का रस वितरण शिविर एवं शाम छह बजे से हरि इच्छा तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ. डीएन तुलस्यान ने बताया कि शीतल जल एवं फलों का रस वितरण शिविर के अलावा विशाल भंडारे का आयोजन होगा। विदित है कि दोनों शिविर स्थल राणी सती रोड चूणा चौक से बगड की ओर से जाने वाली रोड पर सेठ श्री धर्मदास तुलस्यान चैरिटेबल ट्रस्ट झुंझुनूं द्वारा संचालित तुलस्यान बंसल सेवा सदन से लगता हुआ है।

शक्ति दिवस मनाया

सीकर (निसं)। अनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत मंगलवार को शक्ति दिवस मनाया गया। बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती, धात्री व अन्य लोगों की स्वास्थ्य कर्मियों ने शरीर में खून की मात्रा की जांच की गई और खून बढ़ने दवा दी गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि जिले चिकित्सा संस्थानों, आंगनबाडी केंद्रों व शिक्षण संस्थाओं पर स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती व धात्री महिलाओं की स्क्रीनिंग की और शरीर में खून की कमी नहीं हो, इसके लिए आयरन फोलिक एसिड की गोली तथा बच्चों को सीरप पिलाई गई। प्रत्येक मंगलवार को जिले के आंगनबाडी केंद्रों, राजकीय विद्यालयों, उप स्वास्थ्य केंद्रों, सीएचसी, पीएचसी, उप जिला अस्पताल, जिला अस्पताल, शिक्षण संस्थाओं में शक्ति दिवस मनाया जाता है। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हर्षल चौधरी ने बताया कि 6 माह से 59 माह तक के बच्चों, पांच से नौ वर्ष तक के विद्यालय नहीं जाने वाले बच्चों की जांच की।

स्थाई करने की मांग को लेकर योग प्रशिक्षकों ने ज्ञापन सौंपा

चूरू (निसं)। अखिल राजस्थान योग प्रशिक्षक महासंघ के पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में कार्यरत योग प्रशिक्षकों को फुल टाइम स्थायी पदों पर सर्जित किया जाये।

ज्ञापन में बताया कि प्रधानमंत्री ने स्वस्थ भारत-समृद्ध भारत के सपने को साकार करते हुए राजस्थान में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत जुलाई 2021 में राजकीय आयुर्वेद औषधालयों पर पार्ट टाईम महिला योग प्रशिक्षक5000 व पुरुष योग प्रशिक्षक 8000 मानदेय पर नियुक्त किये गए थे। वर्तमान में कार्यरत 3500 महिला व पुरुष योग प्रशिक्षक औषधालयों पंचायत व विद्यालय स्तर पर प्रतिदिन योग द्वारा स्वास्थ्य लाभ दे रहे हैं।

अखिल राजस्थान योग प्रशिक्षक महासंघ के पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों में योग प्रशिक्षकों को स्थायी पद सृजित कर फुल टाइम नियुक्ति के साथ वेतन 25 से 30 हजार प्रतिमाह दिया जा रहा है। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में संदीप खत्री, राजकुमार, लोकेश कुमार, धनेशदान चारण, अरविंद सिंह, मैनपाल पूनिया, रामनिवास भांभू, इंदिरा सिहाग, अनुपम शर्मा, सुरेश शर्मा, डॉ. विजेता पोटलिया, संतोष, आनंदी शर्मा, रोशन सिंह, मुकेश चाहर, हनुमान सिंह, शार्दुल सिंह, अमित भाटी, नरेंद्र कुमार, हंसराज, प्रतिज्ञा शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर लगाया

झुंझुनूं, (निसं)। भगवान दास खेतान अस्पताल में ब्लड बैंक मे रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर ब्रह्माकुमारीज द्वारा संस्था की पूर्व प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य स्मृति एवं विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष में आयोजित हुआ। बीके साक्षी बहन ने अतिथियों को तिलक लगाया। शिविर का शुभारंभ झुंझुनूं ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी अमृत दीदी, सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर, जिला उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष मनोज मील, पूर्व जलदाय विभाग चीफ इंजीनियर मालीराम वर्मा, परमेश्वर हलवाई, पवन सैनी राज्य प्रभारी, पूर्व तहसीलदार मंगलचंद सैनी, पूर्व मैनेजर मोहनलाल, श्रीराम किरोडीवाल, डॉ. पितराम सिंह गोदारा, महेंद्र लमोरिया द्वारा परिसर में दादी को पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने अपने संबोधन में सभी रक्तदाताओं को शुभ प्रेरणाएं दी तथा नेक कार्य के लिए उत्साह बढ़ाया।

जिला निष्पादन समिति एवं मिड-डे मील योजना की बैठक आयोजित

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निष्पादन समिति, मिड-डे मील, राष्ट्रीय पोषाहार सहायता कार्यक्रम योजना और पीएम श्री विद्यालयों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान विद्यालयों में विद्युत, पेयजल, शौचालय, चारदीवारी, जनआधार ऑथेंटिकेशन, वर्षा जल संरक्षण की विस्तार से समीक्षा की गई तथा शाला दर्पण रैंकिंग में कम रैंक वाले उपखंडों को रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को इन्नोवेटिव तरीके से पढ़ाया जाए ताकि विद्यार्थियों की साइंस जैसे विषयों में रुचि पैदा हो।

उन्होंने कहा कि आजकल नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है इसलिए शिक्षा विभाग एवं संबंधित विद्यालयों के संस्था प्रधान इसमें सावधानी रखते हुए विशेष मॉनिटरिंग करें ताकि बच्चों में नशे की प्रवृत्ति नहीं हों।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने मिड-डे मील योजना के तहत स्कूलों में समय पर पोषाहार आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा स्कूलों में बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों को आवंटित अतिरिक्त बजट का सदुपयोग करते हुए कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम, साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम, स्ट्रेस मैनेजमेंट, पर्सनालिटी एवं स्किल डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन स्किल से संबंधित सेमिनार आयोजित किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़े। उन्होंने पीएम श्री विद्यालयों की कार्ययोजना बनाकर विशेष मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए तथा केंद्र सरकार द्वारा जारी बजट एवं अन्य सुविधाओं की समय-समय पर समीक्षा करने की बात कही।

बैठक में सीईओ जिला परिषद राजपाल यादव, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश जैमन,जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक सुरेंद्र सिंह शेखावत, एडीपीसी राकेश कुमार लाटा, जिला साक्षरता अधिकारी डॉ.चन्द्रप्रकाश महर्षि, एपीसी विक्रम सिंह शेखावत, सहायक निदेशक राकेश गढ़वाल, सीबीईओ लक्ष्मणगढ़ राधेश्याम योगी सहित सभी ब्लॉकों के सीबीईओ और शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-कचरा जागरूकता कार्यशाला आयोजित

बलवंतपुरा, (निसं)। डूंडलोद गर्ल्स स्कूल बलवंतपुरा में इको क्लब गतिविधि के अन्तर्गत यूनिसेफ के सहयोग से ई-कचरा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विद्यालय प्राचार्या इंदू सोनी ने बताया कि इको क्लब इंचार्ज अध्यापिका अनिता भगत, सीसीए प्रभारी स्वाति व अध्यापिका रुचिरा पूनियां के निर्देशन में छात्राओं को ई-कचरे के सुरक्षित निपटान, स्थिरता और परिपक्व अर्थव्यवस्था की अवधारणा से अवगत कराया गया।

इस दौरान विशेषज्ञों मे बताया कि गलत तरीके से फैंका गया। ई-कचरा न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। बल्कि स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पडता है। हमें मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक, सामान आदि का कचरा कबाडीवाले को नहीं देना चाहिए।

बल्कि सरकार द्वारा संचालित ई-कचरा संग्रहित करने वाली संस्थाओं को देना चाहिए। कार्यशाला में छात्राओं को सस्टेनेबिलिटी एंबेसडर के रूप में प्रशिक्षित किया गया। ताकि वे स्कूल व समुदाय में हरित पहल का नेतृत्व कर सकें।

यूनिसेफ द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य देशभर के स्कूलों में छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है। प्राचार्या इंदू सोनी ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ई-कचरे का सही प्रबंधन आज समय की आंवश्यकता है। यदि छात्र-छात्राएं जागरूक होंगे तो समाज में निश्चित ही सकारात्मक बदलाव आएगा।

अपनी मांगों को लेकर ट्रक ऑपरेटरों ने विरोध-प्रदर्शन किया

चूरू (निसं)। कलेक्टर कार्यालय में डम्पर व ट्रकों की आरसी बहाल करने व ई-रवाना चालान को माफ करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को ट्रक ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष हेतराम खिलेरी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया।

इस दौरान यूनियन के पदाधिकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। यूनियन के अध्यक्ष हेतराम खिलेरी ने बताया कि खनन पट्टों व क्रेशरों से ओवरलोड टीपी व ई-रवाना निकाले जाते हैं। जिसमें वर्ष 2018 में अंडरलोड टीपी व ई-रवाना का विकल्प आता था। उसके पश्चात सरकार ने जानबूझकर वाहन चालकों के साथ नाइंसाफी कर 100 एमटी का विकल्प दिया। वाहन चालकों के कम पढ़े लिखे होने का फायदा उठा कर खनन विभाग का डर दिखाते हुए ओवरलोड टीपी व ई-रवाना निकाले गए, जिनकी रॉयल्टी सरकार द्वारा वसूली की गई। परिवहन विभाग की ओर से समय-समय पर टैक्स लिया जाता है, जबकि आयुक्त ने समस्त जिला परिवहन अधिकारियों को दिनांक 31 जनवरी 2024 तक ई-खाना में छूट दी गई थी। परन्तु अब दो-तीन वर्ष बीतने के बाद भी खनन विभाग की वेबसाइट से डाटा उठाकर वाहन मालिकों को चालान भेज दिए गए। बिना नियमों की जानकारी के

चूरू में अपनी मांगों को लेकर ट्रक ऑपरेटरों ने विरोध-प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

चलते वाहन चालकों को 100 प्रतिशत छूट देकर खान विभाग को ओवरलोड का विकल्प खत्म कर देना चाहिए तथा एक ही नम्बर के वाहनों को 5-6 जिला परिवहन अधिकारियों की ओर से आरसी को सस्पेंड कर दी गई है। जो नियम के विरूद्ध कार्य किया गया है।

वाहन मालिक व क्रेशर मालिक वर्तमान में बिना वाहनों के संचालन के उनके परिवार को भूखे मरने की नौबत आ गई। ट्रक यूनियन सुजानगढ़ की ओर से यह निर्णय लिया गया कि जब तक ई-रवाना माफ नहीं किया जावेगा और आरसी बहाल नहीं की जायेगी। तब तक गाडी मालिक अपनी गाडियों के साथ डीटीओ ऑफिस सुजानगढ़ के सामने खडी कर अनिश्चित कालीन धरना-प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने मांग की है कि जिन-जिन गाडी मालिकों की आरसी सस्पेन्ड की है, उनको जल्द ही बहाल किया जाए और उन वाहनों से अगर कोई दुर्घटना व जनहानि होती है, उसके जिम्मेदार डीटीओ सुजानगढ, परिवहन मंत्री व मुख्यमंत्री होंगे। खिलेरी ने बताया कि यदि 48 घण्टों में मांगें नहीं मांगी गई तो उग्र आंदोलन किया जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में लंकेश अग्रवाल, प्रकाश ढिढारिया, सुरेश सीलू, चुन्नीलाल खिलेरी, राकेश, अग्रवाल, अमित माली, आरएलपी प्रभारी रूपचंद सारण, कानाराम खिचड़, रामलाल मुहाल, निर्मल शर्मा, पृथ्वी बेनीवाल, गोपाल सिलका, जयचन्द, रामनिवास, राजू पारीक, अकबर गौरी, मांगीलाल, प्रताप महला, गोपाल, भंवरू खां, प्रदीप डूडी व श्याम सिंह सहित बड़ी संख्या में ट्रक ऑपरेटर उपस्थित थे।

राजस्थान सरकार
कार्यालय तहसीलदार सरदारशहर
क्रमांक:- भू-अ/2025/3720 दिनांक 26.08.2025
आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रोहितास कुमार मीणा पुत्र सत्यनारायण मीणा जाति मीणा निवासी फोगां बास भरथरी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया है कि रोहि सुखडवास के पुराना खसरा नं. 96 तादादी 29.16 बीघा नया खसरा नं. 129 तादादी 7.5400 हैक्टेयर में 1/2 हिस्सा कृषि भूमि मनी पत्नी महादेवा जाति मीणा निवासी फोगां बास भरथरी के नाम खातेदारी रिकार्ड दर्ज है। खातेदार ने उक्त भूमि दिनांक 04.05.1998 को रोहितास कुमार मीणा पुत्र सत्यनारायण मीणा जाति मीणा निवासी फोगां बास भरथरी के पक्ष में वसीयत लिख दी थी। वसीयतकर्ता का देहांत दिनांक 09.10.1998 को हो गया। प्रार्थी उक्त वसीयत के आधार पर अपने पक्ष में नामान्तरकरण दर्ज और तस्दीक करवाना चाहता है। प्रार्थी का आवेदन इस कार्यालय में लम्बित है। अत: इस बाबत् अगर किसी व्यक्ति को कोई उजर एतराज हो तो 15 दिवस के भीतर असलतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश करें। बाद गुजरने मियाद कोई एतराज मान्य नहीं होगा एवं प्रार्थना पत्र निस्तारित कर दिया जावेगा।
तहसीलदार (भू. अ.) सरदारशहर

कार्यालय अशोक सिंह राठौड़ एडवोकेट राजगढ़ (चूरू)
प्रत्येक व्यक्ति व विशेष व्यक्ति के लिए सूचना
मैं अशोक सिंह राठौड़ अधिवक्ता राजगढ जिला चूरू (राज.) मेरे अभिभाष्य श्री मदन सिंह पुत्र अग्र सिंह जाति राजपूत निवासी नूहन्द तहसील राजगढ जिला चूरू की हिदायतानुसार प्रत्येक व्यक्ति एवं विशेष व्यक्ति के लिए सूचना प्रेषित कर रहा हूं कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र देवेन्द्र सिंह उम्र 38 वर्ष मेरे अभिभाष्य के कहने सुनने में नहीं है। जो गलत संगत में आकर मेरे अभिभाष्य के खिलाफ हो गया है। मेरा अभिभाष्य अपने पुत्र देवेन्द्र से एवं उसके कृत्यों व गलत आचरण से तंग परेशान है, इसलिए मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र देवेन्द्र को अपने व अपने परिवार जनों से अलग करते हुए अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है। आज के बाद मेरे अभिभाष्य का पुत्र देवेन्द्र से कोई संबन्ध नहीं रहा है। उसके किसी प्रकार के कृत्य एवं अपकृत्य के लिए मेरे अभिभाष्य व उसका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उससे कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का संव्यवहार करता है तो उसकी हर प्रकार की जिम्मेदारी संव्यवहार करने वाले की होगी, इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति एवं विशेष व्यक्ति के लिए यह सूचना प्रेषित की जा रही है। दिनांक:-26.08.2025
भवदीय-अशोक सिंह राठौड़ अधिवक्ता राजगढ (चूरू) चैम्बर नं.19 मो.नं.-9610002484

हैतुक दर्शित करने के लिये सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली
अनुसूची संख्यांक-4
न्यायालय पारिवारिक न्यायाधीश महोदय
स्थान- सरदारशहर
अन्तिमा बनाम जगदीप शर्मा
प्रार्थना पत्र - तलाक याचिका
प्रार्थना पत्र संख्या - 123 सन् 2024
नाम :- जगदीप शर्मा पुत्र श्री बाबूलाल शर्मा निवासी आर्य नगर, ढिंचौली तहसील व जिला झुंझुनूं (राजस्थान)। उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि क्यों ना प्रार्थीया की तलाक याचिका स्वीकार कर ली जावे। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हेतुक दर्शित करने के लिये दिनांक 26 माह 09 सन् 2025 को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें जो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। यह आज तारीख 22 माह 08 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।
मोहर अदालत
जिला एवं सेशन न्यायाधीश सरदारशहर (चूरू)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज)
क्रमांक -न.पा.रा./भू/2025/1596 दिनॉकः 26/08/2025
आपति आमत्रंण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री साहबराम जाति मेघवाल निवासी 3 एच एल एम जोरावरपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ, ने ऑनलाईन आवेदन कर अपने खरीदशुदा आवासीय भूखण्ड साईज 1176 वर्गफुट का नामान्तरण पालिका रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु आवेदन किया है। मूल पट्टा श्री रमेश कुमार पुत्र श्री गुरूचरण जाति लोहार के नाम से साईज 1176 वर्गफुट का जारीशुदा है। श्री रमेश कुमार ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 24.07.2025 द्वारा श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री साहब राम को बैचान कर दिया।
जिसका प्रार्थी अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहता है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।
रजनीश चौधरी,
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज)
क्रमांक -न.पा.रा./भू/2025/1592 दिनॉकः 26/08/2025
आपति आमत्रंण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुरेखा देवी पत्नि श्री धर्मदेव गोदारा निवासी रावतसर व श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद जाति जाट निवासी परलीका तहसील नोहर जिला हनुमानगढ ने खरीदशुदा भूखण्ड के दस्तावेजो की फोटोप्रति प्रस्तुत कर आवासीय भूखण्ड साईज 3770 वर्गफुट मे से 319.5 वर्गफुट का नामान्तरण अपने नाम से पालिका रिकॉर्ड में दर्ज करवाना चाहते है, जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री हजारी सिंह जाति राजपूत के नाम से साईज 3770 वर्गफुट का जारीशुदा है। पूर्व पालिका आदेश क्रमांक 136496 दिनांक 17.07.2025 द्वारा उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्री साहिल खान पुत्र श्री महबूब खान के नाम से जारीशुदा है। श्री साहिल खान ने उक्त भूखण्ड में से 319.5 वर्गफुट जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 16.06.2025 द्वारा श्रीमती सुरेखा देवी पत्नि श्री धर्मदेव गोदारा निवासी रावतसर व श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद जाति जाट निवासी परलीका को बैचान कर दिया। जिसका प्रार्थी अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकॉर्ड में दर्ज करवाना चाहते है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।
रजनीश चौधरी,
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

जालोर जैसे शुष्क जिले में भी आठ जने नदी में डूबे

जालोर जिले में इस वर्ष हो रही मूलसलाधार बारिश के कारण कई नदी नाले उफान पर है, जिले की सुकड़ी नदी में दो अलग-अलग जगह पर हादसे हुए

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में मानसून की सक्रियता के चलते मंगलवार शाम को भी मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा। वहीं जालोर जैसे शुष्क जिले में आठ जने नदी में बह गये, जिनकी मौत हो गई। जालोर की जीवन रेखा कही जाने वाली जवाई नदी में पानी की आवक तेज देखी गई। आसाना गांव में सुकड़ी नदी में डूबने से छह लोगों के मरने की सूचना हैं। इसके अलावा सांथू गांव के दो जनों की सुकड़ी नदी में बहने से मौत हो गई। बारिश के चलते कई जगह नदी-नाले उफान पर होने से मार्ग अवरुद्ध रहे।

जालोर में लगातार बारिश से जिलेभर में नदी नालों में पानी की आवक तेज देखी गई। जवाई नदी के निकट आने वाले क्षेत्र के नालों में पानी आने से मार्ग अवरुद्ध हो गए। सायला के निकट आसाना गांव में मंगलवार शाम को सुकडी नदी में बहने से छह लोगों की मौत होने की सूचना मिली। शाम को सुकड़ी नदी में आसाना गांव के छह युवक बोलेरो गाड़ी लेकर नदी किनारे नहाने गये थे। उस दौरान पानी के तेज बहाव के साथ छह युवक बह गये। ग्रामीणों के अनुसार थलवाड रोड पर नदी के दूसरे किनारे पर बोलेरो गाड़ी छोड़कर नदी की रपट पर स्नान करते हुए दूसरे किनारे आए थे। रपट से वापस दूसरी तरफ जाते समय पानी के वेग में संतुलन बिगड़ने से एक युवक के बहने पर बचाने के चक्कर पर सभी साथ में बह गए। नदी किनारे खड़े दूसरे लोगों ने देखकर ग्रामीणों को सूचना दी, जिस पर सायला एसडीएम सुरजभान विश्नोई, तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी, थानाधिकारी सुरेंद्रसिंह मौके पर पहुंचे तथा युवकों की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम भीनमाल को मौके पर बुलाया। देर शाम तक बचाव दल को नदी में तेज बहाव के चलते उन्हें ढूंढने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीमार बुजुर्ग को सिविल डिफेंस की टीम व समाजसेवी लोगों ने नाव की सहायता से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

- पानी के वेग में संतुलन बिगड़ने से एक युवक के बहने पर बचाने के चक्कर पर सभी साथ में बहे
- आसाना गांव में सुकड़ी नदी में डूबने से छह लोगों की मौत, वहीं सांथू गांव के दो जनों की सुकड़ी नदी में बहने से मौत हो गई
- जालोर शहर का सुन्देलाव तालाब ओवरफ्लो होने से गंदा पानी कॉलोनियों में जाने से जलमग्न हो गई
- बीमार बुजुर्ग को भी सिविल डिफेंस की टीम व समाजसेवी लोगों ने खाट पर उठाकर तथा बाद में नाव की सहायता से अस्पताल पहुंचाया

वहीं सुकड़ी नदी का मिलन जवाई नदी से तुरा गांव के पास होगा। ऐसे में एक तरफ सुकडी नदी व दूसरी तरफ जवाई नदी का पानी तेज गति से बहने से कई गांवो के रास्तों का सम्पर्क टूट गया है। वहीं सांथू गांव में भी सुकडी नदी में बहने से पसिया देवी व छोटाराम की मौत हो गई। इस प्रकार सुकड़ी नदी में डूबने से अब तक आठ लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है।

जालोर में मंगलवार शाम को तेज बारिश के चलते सुन्देलाव तालाब भी ओवरफ्लो होने से निचली कॉलोनियो में तालाब का गंदा जाने से कॉलोनियां जलमग्न हो गई है। कॉलोनियां में रहने वाले लोगों के घरों में पानी घुसने से लोगों के लिए परेशानी हो गई है। मंगलवार को एक बीमार बुजुर्ग को भी सिविल डिफेंस की टीम व समाजसेवी लोगों ने खाट पर उठाकर तथा बाद में एक नाव की सहायता से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। कॉलोनी के चारों तरह पानी भर जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जालोर में तेज बारिश के चलते सुकड़ी, जवाई, आकोली नदी पूरे उफान पर बह रही है। वणधर, बांडी, सिणधरा व बांकली बांध में भी पानी की आवक तेज गति से हो रही है। पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध जवाई में भी पचास फीट से अधिक पानी की आवक हो गई है। जालोर में मूसलधार बारिश का दौर जारी रहने से जगह जगह पानी भर गया। बस स्टेण्ड, शिवाजी नगर सहित कई कॉलोनियों में पानी भर जाने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कार सहित नदी में डूबे तीन युवकों की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र लकोड़ा पावर हाउस के समीप बायडी पुलिया में डूबी कार में सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो जनों को बाहर निकालकर उनकी जान बचा ली गई।

सोमवार रात में खेरवाड़ा से बावलवाड़ा रोड़ पर लकोड़ा पावर हाउस के आगे बायड़ी पुलिया विकट मोड़ पर कार अनियंत्रित होने पर पानी में बह गई। हादसे में कार में सवार लकोड़ा निवासी ध्रुव पुत्र कैलाश चन्द्र पटेल, लव पुत्र कांतिलाल पटेल निवासी बायड़ी, मउडीया बावलवाड़ा निवासी नरेश उर्फ पिंटु पुत्र नाना पोखरिया की मौत हो गई तथा प्रवीण पुत्र भराजी व लक्ष्मण पुत्र देवीलाल निवासी बावलवाडा की कार से बाहर निकलने से जान बच गई। चालक लव खेरवाड़ा में बैकरी चलाता था एवं कार लेकर ध्रुव दोनों गांव लौट रहे थे। इस दौरान नरेश, प्रवीण व लक्ष्मण तीनों अहमदाबाद से मजदूरी कर खेरवाड़ा आए, जिन्होंने गांव जाने के लिए लिफ्ट मांगी। इस पर लव उन्हें गांव ले जाने के लिए कार में बैठा कर रवाना हुआ, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उदयपुर से एनडीएआरएफ की टीम को बुलाया। टीम ने मशक्कत कर ध्रुव व नरेश के शव को बाहर निकला खेरवाड़ा मोर्चरी में रखवाया।

ट्रक और बाइक की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद विधानसभा क्षेत्र के शंभूगढ़ थाना इलाके में खेजड़ी चौराहे पर दर्दनाक सड़क हादसे में एक जने की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं एक अन्य घायल का उपचार जारी है।

हादसा एक तेज रफ्तार ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर से हुआ। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने खेजड़ी चौराहे पर एनएच-148डी को जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा सुबह करीब दस बजे हुआ, जब एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान एक और युवक ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं मौके पर जमा हो गए। उन्होंने हाइवे पर बढ़ते हादसों को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया और हाईवे 148डी को जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि खेजड़ी चौराहे पर आए दिन हादसे होते रहते हैं और पिछले तीन महीनों में दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। ग्रामीणों की मुख्य मांग है कि इस चौराहे पर वाहनों की रफ्तार को नियंत्रित करने और हादसों को रोकने के लिए एक पुल (फ्लाईओवर) बनाया जाए। उनका कहना है कि सड़क पर जेब्रा क्रोसिंग नहीं होने के कारण, यहां के खतरनाक मोड़ और चौराहे पर तेज रफ्तार गाड़िया आए दिन दुर्घटनाग्रस्त होती है। हंगामे की सूचना मिलते ही शंभूगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है, जिसके बाद ही जाम खुलवाया जा सका।

- आक्रोशित ग्रामीणों ने खेजड़ी चौराहे पर एनएच-148डी को जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया

फर्जी टीटी को पकड़ा :- कोटा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के टिकट चैक करते हुए एक व्यक्ति को रेलवे पुलिस ने पकड़ा और जीआरपी पुलिस को सौंप दिया। संदिग्ध व्यक्ति सवाईमाधोपुर का रहने वाला है जो अवध एक्सप्रेस से सवाईमाधोपुर से कोटा आया था और खुद को टीटीई बताकर कोटा के प्लेटफार्म नम्बर एक पर पार्सल कार्यालय के समीप रेल यात्रियों की टिकिट चैक कर रहा था, इस दौरान मामले में सामने आया कि व्यक्ति ने फर्जी टीटीई बनकर प्लेटफार्म पर घूम रहे अवैध वेंडरो को भी पकड़ा और उनकी रसीद भी काटी। प्लेटफार्म पर घुम रहे रेलवे पुलिस के जवान को टिकिट चैकिंग कर रहे व्यक्ति पर संदेह हुआ तो फर्जी टीटी से पूछताछ की तो वह घबरा गया। रेलवे पुलिस ने व्यक्ति को जीआरपी पुलिस को सौंप दिया।

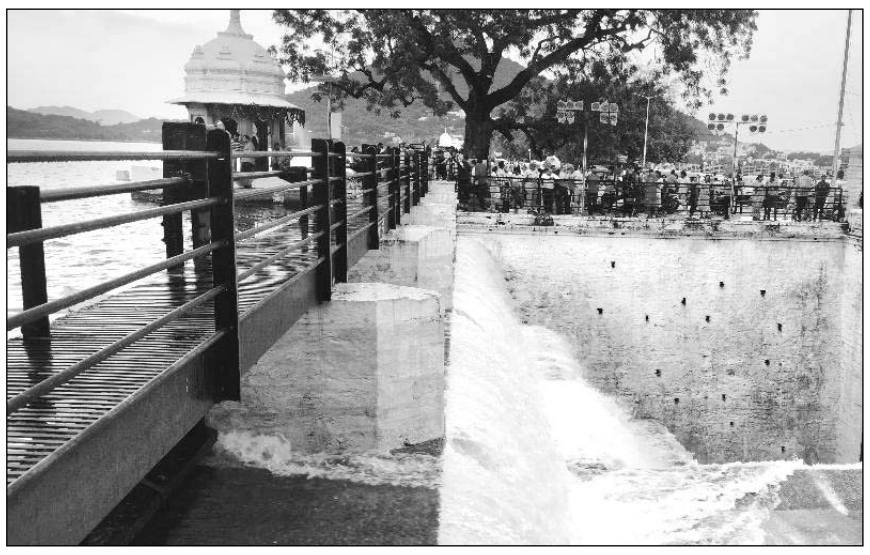

उदयपुर शहर की विश्व प्रसिद्ध फतहसागर झील लबालब होकर ओवरफ्लो हो गई। मंगलवार शाम 4.30 बजे इसके चारों गेट तीन-तीन इंच खोले गए। गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर मंगलवार को उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलेक्टर नमित मेहता, युडीए आयुक्त राहुल जैन, समाजसेवी गजपालसिंह आदि ने हजारों शहरवासियों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर फतहसागर के गेट खोले। इसके साथ ही समूचा उदयपुर खुशी से झूम उठा। पाल पर मौजूद लोगों ने जयकारे लगाकर खुशी व्यक्त की। उदयपुर में गत दिनों हुई लगातार बारिश से झीलों में तेजी से पानी की आवक हो रही है।

छात्रा ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा थाना क्षेत्र के पाल मांडव गांव में 11वीं कक्षा की एक छात्रा ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त छात्रा घर में अकेली थी। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। दोवडा थाने के एएसआई ने बताया कि पाल मांडव गांव निवासी अभिलाषा परमार 11 वीं कक्षा की छात्रा थी और दामडी गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ती थी। अभिलाषा के पिता दिनेश परमार मुंबई में मजदूरी करते है। आज अभिलाषा की मां शारदा गांव में सामान लेने बाजार गई थी। अभिलाषा घर पर अकेली थी। शारदा देवी जब सामान लेकर वापस घर लौटी तो देखा कि अभिलाषा घर में फंदे पर लटकी हुई थी। शारदा ने चिल्लाकर परिजनों और पडौसियों को बुलाया। परिजनों ने अभिलाषा को फंदे से नीचे उतरा और जिला अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। परिजनों ने एक युवक पर अभिलाषा को परेशान करने का आरोप लगाया है।

रायला में सरकारी विद्यालय का कक्षा-कक्ष ढहा, बड़ा हादसा टला

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के रायला कस्बे की जनता कॉलोनी स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का एक कक्षा-कक्ष मंगलवार सुबह अचानक तेज धमाके के साथ जमींदोज हो गया। स्कूल परिसर में उस समय 73 बच्चे मौजूद थे, लेकिन गनीमत रही कि जिस कक्ष का मलबा गिरा, उसे पहले ही अधिकारियों ने सील कर दिया था। यही सतर्कता मासूम बच्चों के लिए जीवनदायी साबित हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों और स्कूल स्टाफ के अनुसार विद्यालय का यह भवन लंबे समय से जर्जर हालत में था। भवन की दीवारों में दरारें आ चुकी थीं और छत भी कमजोर हो गई थी।

प्रधानाध्यापक एहसान अली ने बताया कि विद्यालय के पीछे पानी भरने की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे नींव कमजोर हो गई थी। इस बारे में उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया। बनेड़ा उपखंड अधिकारी श्रीकांत व्यास व शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कुछ दिन पहले विद्यालय का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में भवन की स्थिति को बेहद खतरनाक पाया गया था। इसी आधार पर संबंधित कक्ष को लॉक कर सील कर दिया गया और बच्चों की पढ़ाई खुले मैदान में शुरू करवा दी गई। मंगलवार सुबह करीब 8.40 बजे जब विद्यालय में प्रार्थना खत्म ही हुई थी कि अचानक एक जर्जर कक्षा कक्ष जोरदार धमाके के साथ गिर पड़ा। आवाज सुनकर बच्चे सहम गए और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक विद्यालय परिसर में जमा हो गए। राहत की बात यह रही कि सील किया गया कमरा खाली था और उस ओर किसी का आना-जाना नहीं होता था। घटना के समय विद्यालय में 73 बच्चे मौजूद थे, जबकि स्कूल में 98 बच्चों का नामांकन है। हादसे की खबर सुनते ही बच्चों के अभिभावक भी तुरंत स्कूल पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि यदि यह कमरा सील नहीं किया गया होता, तो आज कोई बड़ा हादसा सामने आ सकता था। बच्चों को सुरक्षित देखकर सभी ने राहत की सांस ली। हालत यह है कि 98 बच्चों का नामांकन होने के बावजूद स्कूल का संचालन मात्र दो कमरों के किया जा रहा था, जिसे भी जर्जर होने के कारण 28 जुलाई को सील कर दिया गया, जिसके कारण बरसात के बीच भी बच्चे खुले मैदान में पेड़ के नीचे एक साथ पढ़ने को मजबूर थे।

शाहपुरा क्षेत्र के रायला कस्बे में राजकीय प्राथमिक विद्यालय का एक कक्षा-कक्ष जमींदोज हो गया।

- हादसे के दौरान स्कूल परिसर में 73 बच्चे मौजूद थे, गनीमत रही कि जिस कक्ष का मलबा गिरा, उसे पूर्व में अधिकारियों ने सील कर दिया था
- ग्रामीणों और स्कूल स्टाफ के अनुसार विद्यालय का यह भवन लंबे समय से जर्जर हालत में था

ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय भवन के जर्जर होने की शिकायतें काफी समय से की जा रही थीं, लेकिन हर बार मामला अनदेखा होता रहा। समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो मंगलवार को मासूमों की जान पर भारी खतरा मंडरा सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पूरे मामले में गंभीरता दिखाने और भविष्य में ऐसी लापरवाही नहीं दोहराने की अपील की। स्कूल भवन का कमरा गिरने के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों ने जोर देकर कहा कि बच्चों को खुले मैदान में पढ़ाना लंबे समय तक संभव नहीं है। गर्मी और बरसात के मौसम में यह स्थिति और भी कठिन हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द विद्यालय भवन का पुनर्निर्माण किया जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि गिरे हुए कमरे का मलबा जल्द ही हटवाया जाएगा और भवन के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विभाग का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

Govt. Of Rajasthan
Office of the Executive engineer
Watershed development and soil conservation, Jalore
No-Jalore/E-tender/2025-26/Jalore/MJSA 2.1/237 Date-19.08.2025

NOTICE INVITING BID / NIT No- 04/2025-26

Bids for package of construction of tanka with agor and RTWHS (33 works) MJSA 2.1 Block jalore in jalore district of estimated value total 4222960 Rs are invited from interested bidders on date 28.08.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in orhttps://sppp.rajasthan.gov.in) of the sate.
UBN No:- WSC2526WSOB01133 / NIB No:- WSC2526A0654

Narendra Sharma
DIPR/C/12262/2025 Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Jalore

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
क्रमांक : न.पा.रा./2025/755 दिनांक : 22.08.2025
ई-निविदा सूचना 11/2025-26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 25.08.2025 से 11.09.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 25.08.2025 से 11.09.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 12.09.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 12.09.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A5003	DLB2526WSOB15475

राज.संवाद/सी/25/8778 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका महवा (दौसा) राज0
EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन न.- 07461 284005
क्रमांक-नपाम/2025-26/401 दिनांक- 22.08.2025
-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिका महवा द्वारा विभिन्न कार्यो की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन न. (DLB2526SLRC15522, DLB2526SSRC15523) है। निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान उपापन पोर्टल की बेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproce.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/8793 अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका महवा

कार्यालय जिला परिषद (पंचायत प्रकोष्ठ) करौली
क्रमांक :- जिपक/लेखा/निविदा/2025-26/281 दिनांक :- 21/08/2025
ई-निविदा सूचना 01/2025-26

जिला परिषद करौली के अधीन पंचायत समिति श्री महावीर जी मे स्वीकृत पंचायत समिति भवन निर्माण कार्य का पंचायतीराज अधिनियम 1996 के नियम 181 के अन्तर्गत आमंत्रित ई-निविदा (अनुमानित राशि 208.70 लाख) की विस्तृत जानकारी हेतु ऑन-लाईन वेब-साईट http://sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है तथा कार्यालय समय में कार्यालय में देखी जा सकती है।
UBN : ZKR2526WSOB00406
NIB Code : ZKR2526A0303
राज.संवाद/सी/25/8775 मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद करौली

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org
No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/8569 Date :- 25/08/2025
Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 26/09/2025 for Supply and Installation of 1. High End Surgical Microscope for Plastic and Reconstructive Surgery, Qty. 01, Total Approx. Cost Rs. 2,50,00,000.00, 2. Electric Saw and Drill System with Attachments, Qty. 01, Approx. Cost Rs. 40,00,000.00 at Dept. of Plastic Surgery, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in.
UBN : CMS2526GLOB00087-88
Raj.Samwad/C/25/8741 Medical Superintendent

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड़ 328001
email id : dcfwl.ncs.forest@gmail.com
क्रमांक : एफ ( )/ उवसं/वजीधा / राचघअ /2025-26/2222 दिनांक-18/8/25
Notice Inviting Bid

Bid for providing Construction of Choki with solar PumP at Forest Block of Wildlife Range Sarmthura of DCF WL NCS Dholpur are invited from interested bidders upto 11.30 AM, 29.8.2025 other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state The aproximate value of the Procurement is 40.00 lakhs. UBN No. FOR2526WSB01380
(डॉ. आशीष व्यास)
DIPR/C/12141/2025 उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य धौलपुर

अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. जिला खंड, अजमेर
क्रमांक : 1536 **निविदा सूचना संख्या 12/2025-26** दिनांक : 14.8.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण/सड़क निर्माण कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको,एवं केन्द्रीय /राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों /केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 07 पैकेज /कार्यों, जिनकी कुल लागत राशि रूपये 368.01 लाख है, के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती हैं।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	दिनांक 19.8.2025 प्रात 9.30 बजे से 29.8.2025 को सायं 6.00 बजे तक

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in एवं Sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।
UBN No.
1 PWD2526WSRC09788 2 PWD2526WSRC09790 3 PWD2526WSRC09793
4 PWD2526WSRC09797 5 PWD2526WSRC09800 6 PWD2526WSRC09802
7 PWD2526WSRC09803
हजारी लाल अग्रवाल
DIPR/C/12010/2025 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि.जिला खण्ड, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला-ब्यावर (राज0)
निविदा सूचना 02 वर्ष 2025-26

नगरपालिका बिजयनगर द्वारा पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में E-Procurement प्रकिया से www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र, निविदा शर्तो व अन्य विस्तृत जानकारी इंटरनेट वेब साईट www.sppp.raj.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

कुल निविदा के कार्य	:	01 कार्य
निविदा की कुल लागत	:	रू 49.96/- लाख
कुल धरोहर राशि	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत
ऑन लाईन निविदा फार्म प्राप्त करने व जमा करवाने की दिनांक	:	25/08/2025 प्रातः 11.00 बजे से 07/09/2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा शुल्क डी.डी., धरोहर राशि डी. डी एवं प्रोसेसिंग शुल्क डी.डी. भौतिक रूप से जमा कराने की अंतिम दिनांक	:	08/09/2025 प्रातः 11:00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक	:	09/09/2025 सांय 1:00 बजे

उक्त निविदा का NIB Code :- DLB2526A5007
नोट :-निविदा दाता द्वारा निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर के नाम से एवं प्रोसेसिंग शुल्क Managing Director, RISL payable at Jaipur के नाम से एवं ड़िमाण्ड ड्राफ्ट (D.D) निविदा जारी होने कि दिनांक के बाद के होने चाहिए।
अध्यक्ष नगरपालिका बिजयनगर
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर
राज.संवाद/सी/25/8780

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसान हितों के प्रति संवेदनशील

प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति एवं अतिरिक्त आपूर्ति की कार्यवाही जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा किसानों को उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से यूरिया और डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से डीएपी व यूरिया का वितरण किया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी को रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य कर रहे हैं।

राज्य सरकार द्वारा निरंतर केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर प्रदेश की मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है।

राज्य के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु खरीफ 2025 में अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8 लाख 82 हजार मैट्रिक टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 8 लाख 23 हजार मैट्रिक टन की आपूर्ति की जा चुकी है। अगस्त माह की शेष अवधि में 59 हजार मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति राज्य सरकार द्वारा कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

माह अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 4 लाख 75 हजार मैट्रिक टन डीएपी के विरुद्ध अब तक 3 लाख 59 मैट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति की जा चुकी हैं, शेष 27 हजार मैट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति प्रस्तावित है।

प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 86 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 1 लाख 20 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 0.81 लाख मैट्रिक टन एनपीके एवं 1 लाख 93 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान में गत वर्ष की तुलना में फॉस्फेटिक उर्वरकों का स्टॉक 1 लाख मैट्रिक टन अधिक है एवं आपूर्ति जारी है। यूरिया की लगभग 8000 मैट्रिक व डीएपी की 10 हजार 900 मैट्रिक उर्वरक रेल द्वारा परिवहन में है।

- **खरीफ 2025 में अप्रैल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8 लाख 82 हजार मैट्रिक टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 8 लाख 23 हजार मैट्रिक टन की आपूर्ति की जा चुकी है।**
- **अगस्त माह की शेष अवधि में 59 हजार मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति राज्य सरकार द्वारा कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है।**

केंद्र सरकार की ओर से यूरिया, डीएपी एव अन्य उर्वरकों का राज्यों को माहवार व कंपनीवार आवंटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आवंटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर प्रदेश में उर्वरकों को वितरण कराया जाता है।

राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध हो कर कार्य कर रही है और यह सुनिश्चित करने हेतु हर संभव प्रयास कर रही है कि खेती-किसानी में किसी प्रकार की बाधा न आए। यूरिया एवं डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ उनकी उचित कीमत पर आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है।

कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिश के अनुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रूप से पारदर्शिता के साथ वितरण कराने और उर्वरक वितरण में अनियमित्ता बरतने वाले विक्रेताओं, जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

विभाग द्वारा समस्त किसानों को समान रूप से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के लिए कृषकों को पंक्तिबद्ध किया जाकर उर्वरकों का वितरण प्रशासन के सहयोग एवं विभागीय कार्मिकों की देख-रेख में किया जा रहा है। राज्य में सरसों फसल की अग्रिम बुवाई करने वाले जिलों में किसानों द्वारा डीएपी का क्रय कर अग्रिम भण्डारण किया जा रहा है।

जयपुर जिले से 4905 वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा तीर्थ यात्रा का अवसर

जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने निकाली ऑनलाइन लॉटरी

जयपुर । राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के तहत जयपुर जिले के 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। मंगलवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की मौजूदगी में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने ऑनलाइन लॉटरी निकालकर सफल आवेदकों की घोषणा की।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की मौजूदगी में जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 की ऑनलाइन लॉटरी निकालकर सफल आवेदकों की घोषणा की।

- **देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि रहे मौजूद**
- **526 सफल आवेदक हवाई जहाज से तथा 4379 रेल से करेंगे तीर्थ यात्रा**

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारी धरोहर हैं। उनके जीवनभर के अनुभव और आशीर्वाद से समाज व देश आगे बढ़ता है। सरकार का यह प्रयास है कि हमारे वरिष्ठ जन अपनी जीवन यात्रा के इस पड़ाव पर धर्म, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ सकें। तीर्थ यात्रा योजना न केवल धार्मिक स्थल दर्शनों का अवसर प्रदान करती है, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के मनोबल को भी सशक्त करती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत हवाई यात्रा एवं रेलयात्रा सहित प्रदेश के कुल 56 हजार वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा का अवसर दिया जा रहा है, जिसमें से जयपुर जिले के 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे। इनमें से 526 यात्री हवाई मार्ग से काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर की यात्रा करेंगे, जबकि 4 हजार 379 यात्री रेल मार्ग से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। योजना के तहत जयपुर जिले के कुल आवेदन 11 हजार 378 एवं कुल यात्री 18 हजार 423 प्राप्त हुए।

उन्होंने बताया कि रेल यात्रा के लिए चयनित वरिष्ठ नागरिकों को हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी-सारनाथ, सम्मेदशिखर-पावापुरी-वाराणसी-सारनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना-आगरा-अयोध्या, द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरुपति-पदमावति, कामाख्या-गुवाहाटी, गंगासागर-कोलकाता, जगन्नाथपुरी-कोणार्क, रामेश्वरम-मदुरई, वैष्णो देवी-अमृतसर-वाघा बोर्डर, गोवा के मंदिर एवं अन्य स्थल चर्च आदि, महाकालेश्वर-उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्र्यम्बकेश्वर-घृष्णेश्वर-ऐलोरा, बिहार शरीफ, पटनासाहिब पटनाबिहार, श्री हजुर साहिब नांदेड़ जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन करवाया जाएगा।

इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर देकर उनके जीवन में आध्यात्मिक संतोष और मानसिक शांति का संचार करती है। यह यात्रा ना केवल व्यक्तिगत अनुभव है बल्कि सामूहिकता, मेल-जोल और सामाजिक संबंधों को भी सुदृढ़ करती है।

उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के यात्री अपने साथ एक अटेंडेंट ले जा सकते हैं। साथ ही, यदि पति-पत्नी में से एक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक और दूसरे की आयु 58 वर्ष है तो दोनों को एक साथ यात्रा की अनुमति है। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि यात्रा के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। इसके लिए प्रत्येक दल के साथ चिकित्सा स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और सरकारी कर्मचारी यात्रा करेंगे।

राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक चंद्रप्रकाश आक्या, जीवाराम चौधरी, अशोक कोठारी, प्रियंका चौधरी जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन और देवस्थान विभाग के अतिरिक्त निदेशक रतनलाल योगी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नामांकन के बाद विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित हों : राज्यपाल

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए निरंतर कार्य हो, ताकि राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने : हरिभाऊ बागड़े

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कुलगुरुओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए कार्य करने का आव्हान किया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नामांकन के बाद विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, इस हेतु अच्छे ढंग से पढ़ाने, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से उन्हें जोड़ने आदि के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान को उच्च शिक्षा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में सुधार हो, नहीं तो उनके खिलाफ भी कडे कदम उठाए जाएंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक ली।

राज्यपाल बागडे मंगलवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू करने, विश्वविद्यालयों में नैक एक्रिडिएशन की कार्यवाही पूर्ण करने, वहां उपलब्ध लैब, पुस्तकालय, खेल मैदानों और छात्रावास के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में एक समान प्रश्नपत्र और पाठ्यक्रम लागू किए जाने की व्यावहारिकता के बारे में भी सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों को पिपलांत्री पैटर्न पर विकसित किया जाए। वहां पर अच्छे छायादार पौधे, फल, प्राकृतिक खेती के लिए भी लोगों को प्रोत्साहित कर कार्य किया जाए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में शोध के अंतर्गत मौलिक दृष्टि रखे जाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पेंशन, वेतनमान आदि के लिए भी राज्य सरकार स्तर पर संवाद कर सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने निजी और राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में अच्छे से अध्ययन कराने और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को देश का सुयोग्य नागरिक बनाए। बैठक में विश्वविद्यालयों में कुलगुरु के कार्यकाल की अवधि तीन से पांच वर्ष किए जाने संबंधित सुझावों के साथ बैठक में सभी विश्वविद्यालयों में प्रो वाइस चांसलर बनाने, वहां पर भविष्य के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने, नवाचारो के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत भारत विद्या अनुसंधान केन्द्र खोले जाने आदि पर भी चर्चा हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने प्रदेश में विश्वविद्यालयों में कॉमन भर्ती बोर्ड, डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जो नवाचार करें, उसे विश्वविद्यालय पोर्टल पर डाला जाए। उन्होंने राज्य सरकार से जुड़े विश्वविद्यालयों मुद्दों के जल्द निस्तारण का भी विश्वास दिलाया।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने आरंभ में विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े विषयों और संबंधित कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं ने उच्च शिक्षा में नवाचार अपनाते हुए राज्य को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठतम बनाए जाने से संबंधित सुझाव दिए।

राज्यपाल बागडे ने बैठक के बाद राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण किया। उन्होंने जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. रोशन लाल रैना द्वारा लिखी पुस्तक का भी विमोचन किया।

'भजनलाल सरकार ने 80-90 प्रतिशत बजट घोषणाओं को क्रियान्वित किया'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने मंगलवार को जयपुर में प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संवाद में सांसद एवं विधायकों को केन्द्र और राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों को अधिक से अधिक आमजन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आग्रह किया है।

चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने बजट की 80 से 90 प्रतिशत से अधिक बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन किया है। राम जलसेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौतों को मूर्त रूप प्रदान किया। वहीं, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में ईआरसीपी की योजनाओं पर गंभीरता से कार्य नहीं हुआ और केवल राजनीति हुई। उस समय जब तत्कालीन जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जल परियोजनाओं पर बैठक लेने आए तो पूर्व मुख्यमंत्री और मंत्री बैठक से नदारद रहे। चतुर्वेदी ने कहा कि राज्य सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के विकास के लिए कार्य किया है। लगभग 75 हजार पदों पर सरकारी नियुक्तियां प्रदान की गई। आने वाले कुछ दिनों में 15-20 हजार सरकारी भर्तियों की घोषणा होने वाली है। हमारी सरकार, पहली सरकार है जिन्होंने सरकारी भर्तियों का कैलेण्डर जारी किया है। उन्होंने कहा कि यूरिया और खाद की आपूर्ति प्रदेशभर में सुनिश्चित की जा रही है तथा इनकी कालाबाजारी को प्रभावी रूप से रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

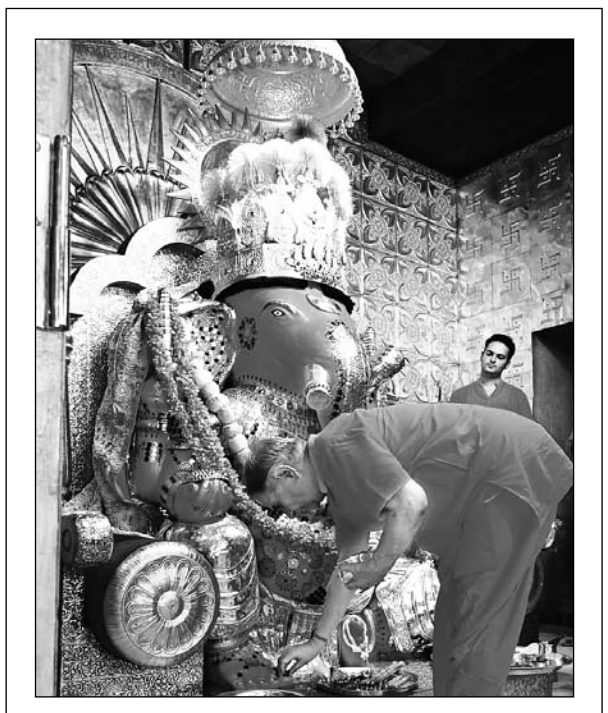

मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर में मंगलवार को सिंजारा और मेहन्दी पूजन कार्यक्रम हुआ। महन्त कैलाश शर्मा ने भगवान गजानन्द को मेहन्दी अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं में उसे वितरित किया। पाली के सोजत से करीब 3100 किलो मेहन्दी मंगवाई गई थी।

'दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आवेदन ऑनलाइन प्रोसेस करें'

जयपुर । प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किए जाने के निर्देश जारी किये गये। बैठक में मौसमी बीमारियों सहित विषयों पर भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित कुमार यादव, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ.टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने मौसमी बीमारियों, टीबी मुक्त अभियान, एनसीडी गतिविधियों, यूडीआईडी कार्ड, मेडिको लीगल केस, अपंजीकृत चिकित्सक एवं प्रयोगशालाओं के विरूद्ध की गयी कार्यवाहियों, आरजीएचएस व आयुष्मान योजना, राज हैल्थ पोर्टल पर चिकित्सा संस्थानों व स्वास्थ्यकार्मिकों की मैपिंग कार्य के दिशा-निर्देश दिये।

जल जीवन मिशन के 900 करोड़ के टैंडर घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी को राहत नहीं

राजस्थान हाईकोर्ट ने महेश जोशी की जमानत याचिका खारिज की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में महेश जोशी की ओर से दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए दिए। एकलपीठ ने गत 8 अगस्त को मामले में फैसला सुरक्षित रखा था।

इस मामले में ए.सी.बी. की 2 तथा सीबीआई की एक एफ.आई.आर. समेत कुल 4 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जिससे ईडी की ओर से चारों मामलों को संयुक्त तरीके से जांचा जा रहा है। इस मामले में ईडी की ओर से अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने हाईकोर्ट में बताया कि, पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में मंत्री जलदाय मंत्री रहे महेश जोशी ने इस जल जीवन मिशन घोटाले में मुख्य भूमिका निभाई है। अगर महेश जोशी, मंत्री के पद पर नहीं होते तो इस घोटाले को अंजाम नहीं दिया जा सकता था। उन्होंने कहा कि, इस मामले में मुख्य दलाल संजय बडाया, पदमचंद जैन, महेश जोशी व उनके पुत्र रोहित जोशी, मंगललाल सैनी समेत 18 लोगों की भूमिका संदिग्ध है।

ईडी की ओर से कहा गया कि, इस मामले में संजय बडाया ने पदमचंद जैन और पीयूष जैन को 900 करोड़ रु. का टैंडर दिलवाया। परंतु जल जीवन मिशन में टैंडर डालने के लिए सिर्फ वहीं कंपनियां भाग ले सकती थी, जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा अधिकृत "ईरकॉन इंटरनेशनल लि." द्वारा मान्यता प्राप्त हो। गौरतलब है कि इस मामले में जिन कंपनियों को 900 करोड़ रु. तक के टैंडर दिए गए, उनमें से किसी के पास भी यह सर्टिफिकेट नहीं था। इन फर्मों ने फर्जी दस्तावेज और सर्टिफिकेट लगाकर यह टैंडर हासिल किए थे। ई.डी. की जांच में यह भी सामने आया कि, पीएचईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी पारितोष गुप्ता ने फर्जी सर्टिफिकेट की जांच करने हेतु "ईरकॉन" को सत्यापन के लिए ई-मेल भेजा था। जिस पर "ईरकॉन" की ओर से जवाब दिया गया था कि उन्होंने इन कंपनियों को कोई सर्टिफिकेट नहीं दिया, जिन्होंने राजस्थान में जल जीवन मिशन के टैंडरों में भाग लिया। जैसे ही तत्कालीन मंत्री महेश जोशी को इस बात का मालूम चला तो अधिकारी पारितोष गुप्ता का अन्यत्र स्थानांतरण कर दिया गया था।

- **ईडी की ओर से अदालत में कहा गया कि, पदमचंद जैन और अन्य लोगों की फर्मों ने फर्जी "ईरकॉन सर्टिफिकेट" पेश करके यह टैंडर हासिल किए थे**
- **ईडी का कहना था कि, इस 900 करोड़ के टैंडर में से 620 करोड़ रु. तो पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के समय ही रिलीज कर दिए थे, जबकि इन फर्मों का काम आंशिक हुआ था**
- **ईडी का कहना है कि, मामले में घोटाले की पूरी राशि 625 करोड़ रु. मानी जानी चाहिए, हालांकि उनके पास 5.50 करोड़ की घूस राशि के लेन-देन का पुख्ता सबूत है। अभी भी ई.डी. इस मामले में जांच कर रही है।**

ई.डी. का कहना है कि, इस 625 करोड़ रु. की राशि को ही घोटाले का मूल आधार माना जाए। ईडी की जांच में 5.5 करोड़ रु. की धांधली का स्पष्ट उजागर हुई है। इसमें से 3.3 करोड़ रु. संजय बडाया ने बतौर कमीशन नकद लिया। शेष 2.1 करोड़ रु. का 50 प्रतिशत हिस्सा महेश जोशी के बेटे की कंपनी में दिया गया। बाकी बचे हुए 1.06 करोड़ रु. महेश जोशी के बेटे ने संपत्ति खरीदी।

ईडी की ओर से अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने कहा कि महेश जोशी के बेटे की फर्म "शुभ मंगलम" में 50 लाख रुपए का लेनदेन किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से इस राशि को लौटाना भी बताया जा रहा है तो राशि लौटाने से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती है। वहीं महेश जोशी की ओर से जमानत याचिका में अदालत को बताया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गत अप्रैल माह में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा ईडी याचिकाकर्ता पर 2.01 करोड़ रुपए का आरोप लगा रही है, जबकि इसे लेकर ईडी के पास कोई साक्ष्य नहीं है और परिवादी यह राशि कहां से लाया, उसका भी उल्लेख नहीं है। इसके अलावा ईडी ने अपनी रिपोर्ट में बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। यह राशि बेटे की कंपनी ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। वहीं इस राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रहा है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए।

हालांकि जिरह के दौरान यह स्पष्ट हो गया था कि संजय बडाया के कहने पर ही पदमचंद जैन व अन्य कंपनियों ने महेश जोशी के बेटे की फर्म में 50 लाख रु. डाले थे। ईडी ने जब उनसे पूछा कि क्या वह महेश जोशी के बेटे को जानते है अथवा पहचानते है तो उन्होंने इनकार कर दिया। इस पर ईडी की ओर से कहा गया कि, यह घूस की राशि है, ऐसे अनजान लोगों को ऋण कौन देता है। याचिकाकर्ता और उसके बेटे ने विभाग की टैंडर प्रक्रिया में रिश्वत प्राप्त की है। यदि आरोपी को जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी महेश जोशी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

मंत्री अविनाश गहलोत ने की समाज कल्याण से जुड़े कार्यों की समीक्षा

बजट घोषणाओं की शत प्रतिशत क्रियान्विति करने के निर्देश दिए

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति शत-प्रतिशत होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि घोषणाओं के बेहतर क्रियान्वयन से ही आमजन को लाभ पहुंच सकता है। गहलोत मंगलवार को मुख्यालय के अंबेडकर भवन के सभागार में आयोजित विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक लेकर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति जानी।

उन्होंने बजट घोषणा वर्ष 24-25 एवं 25-26 की बिंदुवार प्रगति रिपोर्ट ली और लंबित कार्यों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधानसभा में विशेष योग्यजन, पेंशन, छात्रवृति, महिला कल्याण, छात्रावास सहित अन्य विषयों से जुड़े प्रश्नों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा समाज के वंचित तबके को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाभान्वित करना है। उन्होंने बैठक में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की वार्षिक भौतिक सत्यापन की स्थिति, छात्रवृति की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में चयनित अभ्यर्थियों में से कोचिंग संस्थानों में ज्वाइन किए गए अभ्यर्थियों की जिलेवार स्थिति, प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना, पालनहार, कन्यादान योजना, कामकाजी महिला छात्रावास योजना, अंबेडकर डीबीटी योजना से लाभान्वित और व्यय, आवासीय विद्यालयों की स्थिति, उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं, अनुसूचित जाति और जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम में प्राप्त बजट एवं व्यय की स्थिति, डॉ सविता बेन अंबेडकर अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना में प्राप्त बजट, लाभान्वित और व्यय की स्थिति, आदर्शग्राम योजना, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं सशक्तिकरण हेतु संचालित योजनाओं की स्थिति, नशा मुक्त भारत अभियान, नवजीवन योजना, देवनारायण योजना, मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से प्रगति जानी और आवश्यक निर्देश भी दिए। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि वर्ष 2024-25 की कुल 26 बजट घोषणाओं में से 13 पूर्ण हो चुकी हैं, 10 प्रगतिरत हैं। जबकि 3 प्रक्रियाधीन है। वहीं वर्ष 25-26 की 15 घोषणाओं में से 8 पूर्ण हो चुकी हैं, 4 प्रगतिरत है, जबकि 3 प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि सभी घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया जा रहा है।बैठक में आयुक्त निदेशालय विशेष योग्यजन केसर लाल मीना, वित्तीय सलाहकार अंजू सिंह, निजी सचिव रोहित पटेल, अतिरिक्त निदेशक हरिसिंह मीना, रीना शर्मा, सुण्डाराम मीना, अशोक जांगिड़, अरविन्द कुमार सैनी, अनुजा निगम के वीरेन्द्र सिंह सहित बाल अधिकारिता एवं विशेष योग्यजन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचला, मौत

ग्राम टोरडा रामपुरा में अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे बाइक सवार मां-बेटे

पावटा, (निसं)। पावटा उपखंड के पावटा कस्बे में मंगलवार को नारेहडा-पावटा स्टेट हाइवे पर कुनेड पण्डितपुरा चौराहा पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टोरडा रामपुरा अपनी बेटी से मिलने जा रहे बाइक सवार मां-बेटे को कुचल दिया। हादसे में युवक रोशन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी मां चौथी देवी ने जिला अस्पताल कोटपुतली जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दोनों थानागाजी के टोड़ी जोधावास गांव के निवासी थे।

उपजिला अस्पताल पावटा की मोर्चरी के सामने मृतकों के परिजन व सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए।

- घटना के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रैक्टर को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया

हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार में आ रही अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने चौराहा पार करते समय बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बिल्कुल क्षतिग्रस्त हो गई व बाइक पर सवार मां-बेटे गंभीर घायल व लहूलुहान अवस्था में सड़क पर गिर गए। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रैक्टर को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह रोशन की टोरडा रामपुरा निवासी अपने जीजा सुरेंद्र से फोन पर बात हुई थी। इसके बाद वह मां के साथ बहन के ससुराल मिलने के लिए जा रहा था। इस दौरान बेटी के घर से तीन किलोमीटर पहले ही हादसा हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने फोन कर एम्बुलेंस को बुलाया व घायलों को पावटा उपजिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने रोशन को मृत घोषित कर दिया व छोटी देवी की गंभीर हालत देखते हुए उसे जिला अस्पताल कोटपुतली रेफर किया गया, जहां छोटी देवी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। वहीं मां-बेटे के शवों को प्रागपुरा थाना पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल पावटा की मोर्चरी में रखवाया और परिजनों को घटना की सूचना दी गई। उपजिला अस्पताल पावटा मोर्चरी के सामने मृतकों के परिजन व सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और अवैध बजरी खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई व मृतकों के परिवार को मुआवजे की मांग करने लगे। उन्होंने मौके पर उच्च अधिकारियों को बुलाने की बात कही। परिजनों ने शवों को लेने से इंकार कर दिया। सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला ने मांगों के बारे में बताया कि खनन विभाग और पुलिस एक दूसरे को जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ लेते हैं, यही वजह है कि अवैध बजरी से भरे अनियंत्रित वाहनों पर लगाम नहीं लग पा रही है। अवैध खनन बंद होने के बावजूद बजरी का कार्य अवैध रूप से जारी है। किसकी सह पर यह कारोबार किया जा रहा है। अवैध खनन में कौन कौन लिप्त है इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही हो, मृतकों के परिवार में पिता फूलचंद वृद्ध व विकलांग है, वहीं एक भाई है। सरकार की ओर से इन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर दोनों मृतकों के 50- 50 लाख रुपए सरकार से दिलवाए जाए। दोषियों पर कार्यवाही व अवैध खनन माफियाओं को तुरंत प्रभाव से पाबंद किया जाए।

धरना स्थल पर एसडीएम कपिल कुमार उपाध्याय, तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, डीवाईएसपी शिप्रा राजावत, प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह पहुंचे, जहां एसडीएम कपिल कुमार उपाध्याय ने परिजनों और ग्रामीणों से समझाइश करते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली आर्थिक सहायता पीड़ित परिवार को दिलाई जाएगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। डीवाईएसपी शिप्रा राजावत ने कहा कि अवैध बजरी खनन करने वाले दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। जिस पर परिजनों व ग्रामीण धरना समाप्त कर शवों को लेने पर राजी हुए।

नौ वर्षीय मासूम बालक की हत्या, एक आरोपी दस्तयाब

अजमेर/अंराई, (कासं)। अरांई थाना क्षेत्र में 9 साल के मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मंगलवार सुबह से परिजन और माली समाज के लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने किशनगढ़ स्थित यज्ञनारायण हॉस्पिटल पर धरना देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। अस्पताल में हंगामे को देखते हुए मौके पर चार थानों का पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। पुलिस द्वारा शीघ्र आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन मिलने के बाद बालक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

एएसपी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस टीमें मामले की जांच में जुटी और चंद घंटे में हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपित को दस्तयाब किया गया है, जिससे पुलिस गहनता से पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार अरांई के आकोडिया गांव में रहने वाले धनराज माली का पुत्र खुशीराम सोमवार दोपहर घर से लापता हो गया था। परिजनों और ग्रामीणों ने गांव में काफी तलाश की, लेकिन देर शाम सात बजे घर के ही बाड़े में संदिग्ध हालत में मिला। परिजन उसे किशनगढ़ के यज्ञनारायण अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सरपंच प्रतिनिधि करतार चौधरी ने बताया कि मृतक के सिर पर चोट और गले पर रस्सी के निशान पाए गए हैं। बच्चे की गला दबाकर हत्या की गई है। पिता धनराज माली ने पुलिस को दी शिकायत में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

एएसपी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि मनोवैज्ञानिक रूप से अनुसंधान करते हुए कड़ी से कडी मिलाकर लगातार भरसक प्रयास करते हुए उक्त बालक खुशीराम की हत्या के आरोप में दीपक (18) पुत्र कालुराम माली निवासी आकोडिया पुलिस थाना अरांई जिला अजमेर को दस्तयाब किया गया है। आरोपी से टीम द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है।

निजी हॉस्पिटल के डॉक्टर ने नाबालिग से दुष्कर्म करने की कोशिश की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में एक और डॉक्टर की काली करतूत सामने आई है। डॉक्टर ने नाबालिग के साथ रेप करने की कोशिश की, लेकिन जब अपने इरादों में सफल नहीं हुआ तो नाबालिग को मुंह बंद करने की धमकी दी। यह सनसनीखेज मामला भीलवाड़ा जिले से सामने आया है। यहां एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ निजी हॉस्पिटल के डॉ. एसपी शर्मा पर रेप करने की कोशिश का मामला पॉक्सो में दर्ज हुआ है। नाबालिग मेडिकल स्टूडेंट है। छुट्टियां होने के चलते वह हॉस्पिटल में डेढ़ महीने से काम सीख रही थी। मंगलवार दोपहर एक बजे तक नाबालिग ने ड्यूटी की और घर चली गई। डॉक्टर ने शातिर तरीका अपनाते हुए वारदात को अंजाम दिया। उसने शाम को करीब 6.30 बजे नाबालिग की मां के फोन पर मैसेज किया कि हॉस्पिटल भेजो एक केस आया हुआ है। फिर डॉक्टर ने नाबालिग के फोन पर कॉल करके कहा कि आपकी मां को बता दिया है हॉस्पिटल आ जाओ। नाबालिग हॉस्पिटल चली गई। वहां से डॉक्टर उसे बहला फुसलाकर घुमाने ले गया। सूनसान रास्ते पर ले जाकर नाबालिग के साथ रेप करने की कोशिश की, लेकिन नाबालिग ने इसका विरोध किया तो डॉक्टर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाया। बाद में गिड़गिड़ाने लगा। फिर भी नाबालिग नहीं मानी तो डॉक्टर उसे धमकाने लगा। बाद में वह जैसे तैसे घर पहुंची। इधर, नाबालिग गुमसुम दिखी तो परिजनों ने पूछा। वह रोने लगी। उसने डॉक्टर की करतूत के बारे में बता दिया। परिजन सुभाष नगर थाने में जाकर आरोपी डॉ. एसपी शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। सुभाष थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि पीड़िता के नाबालिग की वजह से पॉक्सो में मामला दर्ज किया है। फिलहाल बयान किए जाने हैं। मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

आरोपी डॉक्टर

- डॉक्टर जब अपने इरादों में सफल नहीं हुआ तो नाबालिग को मुंह बंद रखने की धमकी दी
- मेडिकल स्टूडेंट के साथ निजी हॉस्पिटल के डॉक्टर पर रेप करने की कोशिश का मामला पॉक्सो में दर्ज हुआ

तीन लाख पचास हजार रूपये की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर की टीम ने हितेश मेहता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्पेशल इन्वेस्टीगेशन यूनिट क्राईम अगेंस्ट वुमन उदयपुर के लिए 3 लाख 50 हजार रूपये रिश्वत लेते उदयुपर में प्राईवेट व्यक्ति दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय जयपुर इकाई द्वारा मंगलवार को कार्यवाही करते हुए आरोपी प्राइवेट व्यक्ति दलाल शांतिलाल सोनी पुत्र गोपाललाल सोनी निवसी धमाना रोड़ नई हरिजन बस्ती हैप्पी पब्लिक स्कूल के पास कपासन पुलिस थाना कपासन जिला चित्तौड़गढ को 3 लाख 50 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्पेशल इन्वेस्टीगेशन यूनिट क्राईम अगेंस्ट वुमन उदयपुर हितेश मेहता के लिए रिश्वत ली

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय जयपुर को एक शिकायत मिली कि परिवादी द्वारा विक्रय की गई बीएमडब्ल्यू कार की बकाया रूपये दिलवाने में मदद करने व परिवादी द्वारा जरिये कोर्ट मे दर्ज कराये जा रहे प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध चालान पेश करने व सारे मामले को निपटाने की एवज में आरोपी शांतिलाल सोनी व हितेश मेहता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट क्राईम अगेंस्ट वुमन उदयपुर द्वारा 3 लाख रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है, जिस पर रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान 3 लाख 50 हजार रूपये रिश्वत राशि मांग करने के तथ्य प्रकट हुए।

जिस पर एसीबी उप महानिरीक्षक द्वितीय जयपुर आनन्द शर्मा के सुपरविजन में एसीबी जयपुर नगर तृतीय जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञानप्रकाश नवल के नेतृत्व में सुरेश कुमार स्वामी उप अधीक्षक पुलिस एवं अन्य के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी शांतिलाल सोनी प्राईवेट व्यक्ति दलाल को हितेश मेहता अतिरिक्त पुलिस अधक्षक के लिए 3 लाख 50 हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी की कार्यवाहक महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी शांतिलाल सोनी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। आरोपी हितेश मेहता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की भूमिका संदिग्ध प्रकट हुई है, जिसके संबंध में अलग से विस्तृत अनुसधान किया जावेगा। ब्यूरों ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

जेसीबी चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सायरा थाना पुलिस ने पीड़ित के चालक के मकान के सामने खड़ी जेसीबी मशीन चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मशीन जब्त की। प्रकरण के अनुसार 22 अगस्त को दिलीप कुमार पुत्र प्यारचंद लौहार निवासी सायरा ने रिपोर्ट दी कि 20 अगस्त को हमेशा की तरह जेसीबी को शराफत अली निवासी सायरा के मकान के सामने खड़ी करके गया। दूसरे दिन शांतिदास को मशीन नहीं मिली। इसकी सूचना पर मौके पर पहुंच कर देखा तो मशीन नही थी। दो माह पूर्व जेसीबी मशीन आपरेटर सोमाराम गरासिया चलाता था जिस पर शंका है। इस पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर एएसआई भवंरसिंह मय टीम ने तलाश कर शांतीदास पुत्र प्रभुदास वैष्णव निवासी गायफल सायरा तथा भेराराम पुत्र रूपाराम गरासिया निवासी मेर का खेत रावछ सायरा को गिरफ्तार किया।

जवाई व बांडी नदी में पानी आने पर किसानों ने खुशी जताई

सायला के निकटवर्ती आसाना में रपट के ऊपर से नदी बह रही है।

सायला, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान में गत दिनों हुई मूसलाधार बारिश से सायला क्षेत्र में दो नदियों के आगमन से किसानों सहित ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

गत सप्ताह जालोर, सिरोही व पाली जिले में मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार मूसलाधार तेज बारिश हुई थी। बारिश से नदी नालों में बरसाती पानी बहना शुरू हो गया था। पाली जिले व आहोर क्षेत्र में बारिश से जवाई नदी सोमवार को प्रवाहित होनी शुरू हुई थी, जिसका पानी मंगलवार सुबह बिशनगढ से जवाई नदी में होता हुआ मांडवला,केशवना, ऐलाना, उम्मेदाबाद खरल ओटवाला होता हुआ आगे बढ़ रहा है, जिसकी सूचना ग्रामीणों को मिलते ही ढोल ढमाकों के साथ नदी किनारे पहुंचे तथा पूजा-अर्चना कर उसका स्वागत किया। दिनभर नदी देखने ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। किसानों का कहना है कि नदी बहने से कुंओं का जलस्तर बढ़ेगा, जिससे किसानों को सिंचाई में काफी लाभ मिलेगा तथा फसल भी अच्छी होगी। इसी प्रकार सिरोही क्षेत्र में बारिश से तूरा, आसाना, बोरवाडा, पोषाणा में बांडी नदी के आने से ग्रामीणों ने खुशी जताई। तूरा में रात्रि में नदी बहनी शुरू हो गई थी।

जवाई बांध का जलस्तर 51 फीट पहुंचा

पाली, (निसं)। पाली जिले में मंगलवार को भी कई क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी रहा। शहर में सुबह और शाम पांच बजे हल्की की बारिश का दौर चला। दिनभर बादल छाए रहे। सोमवार को हुई बारिश के कारण शहर में बांडी नदी फिर चल पड़ी। रपट पर पानी बहने से ऊपरी पुल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे जाम लग गया। पाली शहर शहर के रेलवे अंडरब्रिज में पानी भरने से आवागमन बाधित हो गया है। बारिश बंद हुई तो भी दो-तीन दिन तक पानी भरा रहता है। वहीं हेमावास बांध पर एक फीट की चादर वापस शुरू हुई। जिले में आधा दर्जन से ज्यादा बांधों पर चादर चल रही है। पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा जवाई बांध मंगलवार को 51 फीट पहुंच गया, जिससे किसानों में खुशी के लहर छा गई है।

पाली के रेलवे अंडरब्रिज में पानी भरने से आवागमन बाधित हो गया।

भालू ने फॉरेस्टर पर हमला किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जंगली भालू के हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इसके चलते एक व्यक्ति घायल हो गया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा। जंगली जानवर के हमले का मामला बदनोर क्षेत्र के बेराट माता मंदिर के जंगल में हुआ है। यहां बदनोर थाने के अंतर्गत जंगली भालू ने फॉरेस्टर भैरूलाल पर हमला कर दिया। जंगली भालू ने भैरूलाल के कान एवं हाथ सहित सिर पर हमला किया।

राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज : जैसलमेर जलदाय विभाग के जेइएन पूनम परिहार को चूड़ियां पहनाने और लिपस्टिक लगाने के मामले में शहर कोतवाली थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

पूनम परिहार ने राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करवाते हुए कहा कि इस घटना के बाद से मानसिक तनाव में हूं। ऑफिस के लोग भी भयभीत हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गौरतलब है कि जैसलमेर शहर स्थित जलदाय विभाग के बीपी टैंक स्थित ऑफिस में शनिवार को पेयजल किल्लत की समस्या के चलते लोगों ने धरना प्रदर्शन किया था। इंदिरा कॉलोनी के निवासियों ने थाली बजाते हुए ऑफिस के आगे विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वहां पहुंचे पूनम परिहार के साथ भीड़ में शामिल महिलाओं ने चूड़ियां पहनाई और लिपस्टिक लगाने का प्रयास किया था।

छह दशक से भारतीय सरहदों की रखवाली कर रहा मिग-21 फिर से चर्चा में

रिटायरमेंट से पहले राजस्थान में मिग-21 ने आखिरी उड़ान भरी

बीकानेर, (निसं)। रिटायरमेंट से पहले राजस्थान में मिग-21 ने आखिरी उड़ान भरी। एयरचीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह से बीकानेर के नाल एयरबेस से इसमें उड़ान भरी। वे इस मौके पर भावुक भी नजर आए। वहीं, करीब छह दशक से भारतीय सरहदों की रखवाली कर रहा मिग-21 फिर से चर्चा में आ गया है। विंग कमांडर जयदीप सिंह ने बताया कि भारतीय वायुसेना का वर्तमान में ऐसा कोई पायलट नहीं है जिसने इस फाइटर जेट को न उड़ाया हो।

बालाकोट स्ट्राइक के बाद कैप्टन अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 बाइसन से ही एफ-16 को मार गिराया था। ये फाइटर जेट ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी ऑपरेशनल भूमिका में रहा। अब राजस्थान में हल्के लड़ाकू विमान तेजस की तैनाती की चर्चा है। भारतीय वायु सेना के बेड़े में मिग-21 को 1963 में शामिल किया गया था। चंडीगढ़ में स्थापित इसकी पहली स्क्वाड्रन, 28 स्क्वाड्रन, को भारत के पहले सुपरसोनिक लड़ाकू विमान के रूप में "फर्स्ट सुपरसोनिक्स" उपनाम दिया गया था। मिग-21 लड़ाकू विमान को नाम भी इसके डिजाइनर व निर्माता के नाम पर दिया गया। मिग शब्द मिकोयान और गुरेविच का संक्षिप्त रूप है, जो इस विमान के डिजाइनर और निर्माता थे।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बीकानेर के नाल एयरबेस पर सोमवार (25 अगस्त) को मिग-21 में उड़ान भरकर राजस्थान में इसके रिटायर होने की औपचारिक शुरुआत की। इस लड़ाकू विमान ने कई युद्धों में निर्णायक भूमिका भी निभाई। 1971 के युद्ध में, मिग-21 ने ढाका में राज्यपाल के आवास पर हमला किया था, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस विमान ने दुश्मन के लड़ाकू विमानों की कई पीढ़ियों को मार गिराया है। इसमें साल 1971 में इ-104 से लेकर 2019 में इ-16 तक के फाइटर जेट शामिल हैं। जिस इ-16 को मारा गया था वो पाकिस्तानी एयरफोर्स का था, जिसे अमेरिका से खरीदा गया था। सिंह ने बताया कि भारतीय वायु सेना का लगभग हर पायलट, अन्य विमानों की ओर रुख करने से पहले मिग-21 उड़ा चुका है। मिग-21 को साल 2025 की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर में भी ऑपरेशनल भूमिका में तैनात किया गया था। अब इस फाइटर जेट को रिटायर करने की शुरुआत राजस्थान से कर दी गई है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बीकानेर के नाल एयरबेस पर सोमवार (25 अगस्त) को मिग-21 में उड़ान भरी। अब 19 सितंबर को मिग-21 लड़ाकू विमान को चंडीगढ़ एयरबेस पर मिग-21 का मुख्य विदाई कार्यक्रम होगा।

मिग-21 का रिकार्ड शानदार रहा, लेकिन पिछले कुछ दशकों में हुए हादसों ने इसे बदनाम कर दिया। पिछले 60 सालों में 400 से ज्यादा मिग-21 क्रैश हुए, जिनमें 200 से ज्यादा पायलटों को जान गंवानी पड़ी। पुराने पुर्जों और तकनीक की वजह से इसका रखरखाव मुश्किल हो रहा था। इस वजह से मिग-21 को 'फ्लाइंग कोफिन' या 'उड़ता ताबूत' कहा गया।

भारतीय वायुसेना को मार्च 2026 तक कम से छह हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस मिल जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने फरवरी 2021 में वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48000 करोड़ रुपए का सौदा किया था। मंत्रालय 67000 करोड़ रुपए की लागत से 97 और एलसीए एमके-1ए खरीदने की प्रक्रिया में है। तेजस एकल इंजन वाला बहु-उपयोगी लड़ाकू विमान है, जो उच्च-खतरे वाले हवाई क्षेत्रों में संचालन में सक्षम है। तेजस एमके-1ए एक विश्व-स्तरीय विमान है, जो उच्च गुणवत्ता वाले रडार, इलेक्ट्रानिक युद्ध प्रणाली और कई तरह की मिसाइल से युक्त है। इन दिनों आकाश में तेजस, तेजस एमके2, राफेल, सू-30 पहले से ही उड़ान भर रहे हैं।

- भारतीय वायुसेना का वर्तमान में ऐसा कोई पायलट नहीं है जिसने इस फाइटर जेट को न उड़ाया हो : विंग कमांडर जयदीप सिंह
- बालाकोट स्ट्राइक के बाद कैप्टन अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 बाइसन से ही एफ-16 को मार गिराया था, ये फाइटर जेट ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी ऑपरेशनल भूमिका में रहा
- वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बीकानेर के नाल एयरबेस पर मिग-21 में उड़ान भरकर राजस्थान में इसके रिटायर होने की औपचारिक शुरुआत की

किसान के घर से 51 लाख के जेवर चोरी

बीकानेर, (निसं)। चोरों ने किसान के घर से 51 लाख के जेवर चुरा लिये और फरार हो गये। पुलिस को दो चोरों के खिड़की से घुसने का अंदेशा है। किसान और उनकी पत्नी घर में ही सो रहे थे। इस दौरान देर रात चोर घुसे और लोहे की संदूक के ताले तोड़ कर ज्वेलरी ले गए। मौके पर डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम ने सबूत जुटाए हैं।

दंतौर एसएचओ जेठाराम मेघवाल ने बताया कि किसान मनीराम डारा के घर से 40 तोला सोना और 31 तोला चांदी की चोरी हुई है। जब चोरी घुसे तो दोनों पति-पत्नी घर पर अकेले ही थे। उनके बेटे दोनों फौज में हैं। सूचना पर यहां पहुंचे और मौके पर डॉग स्क्वायड बुलाई, जो घर के अंदर और बाहर छानबीन कर रही है। दंतौर पुलिस को मौके से पैरों के पद चिन्ह मिले हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस खंगाल रही है, जिसके आधार पर चोरों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घर की खिड़की को तोड़कर चोर घर में घुसे और अलमारी में रखे सोने और चांदी के जेवरात निकाल लिए। सोने और चांदी के अलावा करीब डेढ़ लाख रुपए नगद भी पड़े थे, जो चोर ले गए। माना जा रहा है कि चोरी करने वाले दो लोग थे।

प्लॉट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इस्तागासे के जरिये दर्ज कराये गये धोखाधड़ी के प्रकरण में कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपी ने परिवादी से प्लॉट बेचने के नाम पर 3 लाख 60 हजार रूपये की धोखाधड़ी की थी।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने वांछित भूखंडों की फर्जी रसीद देकर धोखाधड़ी करने के मामले में शातिर आरोपी भवानी शंकर योगी को गिरफ्तार किया है। शहर एसपी ने बताया कि परिवादी अमन वर्मा ने न्यायालय में इस्तागासा पेश किया जिसके आधार पर न्यायालय से परिवाद मिला, परिवादी ने परिवाद में कहा था कि काला तालाब निवासी भवानी शंकर योगी ने परिवादी को साईनाथ रेजिडेंसी कालातालाब उर्फ रंगतालाब में प्लॉट संख्या 12, पैमाईश कुल एरिया 552 वर्ग फुट का बेचान 4 लाख 40 हजार में करने का करार किया था। उक्त इकरारनामे की पालना में परिवादी ने भवानीशंकर योगी को 3 लाख 60 हजार का भुगतान कर दिया तथा शेष राशि भी देने का तैयार था लेकिन आरोपी ने उक्त प्लाट की ज्यादा रेट मिलने पर प्लॉट का बेचान अन्य व्यक्ति को कर दिया। परिवादी ने परिवाद में कहा कि कई बार उसने भवनी शंकर से संपर्क किया तो आरोपी ने उसे आश्वासन दिया कि वह उसे अन्य स्थान पर उक्त राशि में ही प्लॉट उपलब्ध करा देगा, लेकिन इसके लिये उसको पूर्व में किये गये प्लॉट के सौदे को कैन्सिल करवाना होगा और परिवादी ने आरोपी की बातों में आकर 11 दिसम्बर 2024 को पूर्व में प्लॉट को लेकर किये गये सौदे को कैन्सिल कराने का एग्रीमेंट कर लिया। परिवादी ने कहा कि जिसके बाद आरोपी भवानी शंकर ने परिवादी को अन्य स्थान पर प्लॉट नही दिलाया, जिस पर परिवादी ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही तो आरोपी ने उसे आश्वासन दिया कि वह उसको 3 लाख 60 हजार का चैक दे देगा और आरोपी ने जो चैक दिया वह भी बैंक में बाउंस हो गया। शहर एसपी ने बताया कि 18 जुलाई को मिले परिवाद पर आरोपी भवानीशंकर योगी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपी कालातालाब निवासी भवानी शंकर योगी (47) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

हां अर्जुन और सानिया ने सगाई कर ली है और हम सब उसके नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस जवाब के साथ ही अर्जुन की सगाई की खबर पक्की हो गई, जो अब तक सिर्फ अटकलों पर टिकी थी। - सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, अपने बेटे के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नेमार

नेमार को चिली और बोलीविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम से बाहर कर दिया गया है क्योंकि वह लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। 33 वर्षीय सैंटोस फॉरवर्ड ने अक्टूबर 2023 के बाद से ब्राजील के लिए कोई मैच नहीं खेला है, जब उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (अठास्थ क्रूसिएट लिगामेंट) फट गया था। मांसपेशियों की बार-बार की समस्याओं के कारण उनकी रिकवरी में बाधा आ रही है और पिछले गुरुवार को प्रशिक्षण के दौरान उनकी जांघ में फिर से खिंचाव आ गया।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका ने सबसे ज़्यादा एशिया कप (16) खेले हैं, उसके बाद भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश (15-15) का स्थान है।

दो बार की विंबलडन चैम्पियन क्विंतोवा ने यूएस ओपन में हार के बाद संन्यास लिया

वाशिंगटन, 26 अगस्त। दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्विंतोवा ने यूएस ओपन के पहले दौर में हार के बाद सोमवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। 35 वर्षीय चेक खिलाड़ी, जिन्होंने

विंबलडन से पहले घोषणा की थी कि न्यूयॉर्क उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा, फ्रांस की डायने पैरी से 6-1, 6-0 से हार गईं। क्विंतोवा ने खुलासा किया कि उन्हें तीन हफ्ते पहले कोविड-19 हुआ था और उन्हें अपनी फिटनेस से जूझना पड़ रहा था। क्विंतोवा ने 31 डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीते हैं, जिनमें 2011 और 2014 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम खिताब शामिल हैं। वह विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं, आठ शीर्ष-10 सीजन (2011-15, 2018-20) में जगह बनाई और 2016 रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। क्विंतोवा ने कहा, "मैं कभी भी दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी नहीं रही, लेकिन मुझे लगता है कि वे दो ग्रैंड स्लैम जीतें दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी से भी बेहतर हैं। इसलिए मैं इसे इसी तरह लेती हूँ, खासकर विंबलडन की जीत। मुझे कई बातों पर गर्व है।"

सिफ्ट कौर समरा ने ओलंपिक स्पर्धाओं में भारत को दिलाया छठा सीनियर स्वर्ण पदक

शिमकेंट, 26 अगस्त। ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा ने कजाखस्तान के शिमकेंट में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोज़िशन्स (3पी) स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अपना पहला एशियाई खिताब हासिल किया। महिलाओं की 3पी फाइनल में सिफ्ट ने अपने अनुभव और खासकर स्टैंडिंग पोज़िशन में अपनी महारत दिखाई। उन्होंने 459.2 का स्कोर किया, जिससे चीन की उभरती निशानेबाज यांग युजीए से 0.4 अंकों से पीछे रह गईं। शुरुआत में नीलिंग पोज़िशन के बाद सिफ्ट सातवें स्थान पर थीं। भारत के जूनियर निशानेबाज़ों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीते, जिसमें चार टीम गोल्ड शामिल थे। महिलाओं की 50 मीटर 3पी में अनुष्का ठोकुर और ट्रैप महिलाओं की स्पर्धा में सबीरा हारिस ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। आर्यवंश त्यागी ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत और समीर गुलिया ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। अब प्रतियोगिता में दो और ओलंपिक इवेंट फाइनल शेष हैं - पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल और ट्रैप मिक्स्ड टीम - जो अगले दो दिनों में खेले जाएंगे। भारत और चीन अब बराबरी पर हैं, दोनों ने छह-छह स्वर्ण पदक जीते हैं।

हॉकी इंडिया ने पुरुष एशिया कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

राजगीर, 26 अगस्त। हॉकी इंडिया ने आज घोषणा की कि 2025 के पुरुष एशिया कप राजगीर, बिहार के सभी मैचों में प्रवेश निःशुल्क होगा। यह टूर्नामेंट, जो 29 अगस्त से 7 सितंबर तक नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा, बिहार के हृदय स्थल में हॉकी का एक भव्य उत्सव होने का वादा करता है। प्रशंसक अपने मुफ्त टिकटों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, जहां प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें एक वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा। यह प्रणाली एक सहज और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे भौतिक रूप से टिकट वापस लेने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और आयोजन स्थल तक सुगम पहुंच सुनिश्चित होती है। इस घोषणा पर, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, "राजगीर में हीरो पुरुष एशिया कप की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, और हम चाहते हैं कि हर प्रशंसक इस यात्रा का हिस्सा बने।प्रवेश निःशुल्क रखकर हमारा उद्देश्य इस खेल को और अधिक सुलभ बनाना और परिवारों, छात्रों और युवा एथलीटों को विश्व स्तरीय हॉकी देखने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह सिर्फ़ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह खेल का उत्सव है और बिहार और उसके बाहर के लोग इसके केंद्र में रहने के हक़दार हैं।"

विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप से पहले मुक्केबाजी टीम विदेश में प्रशिक्षण शिविर के लिए रवाना

नई दिल्ली, 26 अगस्त। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले एक उच्च-तीव्रता वाले संयुक्त प्रशिक्षण शिविर के लिए 27 सदस्यीय भारतीय मुक्केबाजी दल को शेफ़ील्ड, यूनाइटेड किंगडम भेजा है। यह कदम भारतीय मुक्केबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करने और टूर्नामेंट से पहले ही परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए सर्वोत्तम संभव तैयारी सुनिश्चित करने के बीएफआई के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। वर्तमान में शेफ़ील्ड में मौजूद टीम में 9 पुरुष और 8 महिला मुक्केबाज हैं, जिन्हें 8 कोच और 2 स्टाफ सदस्य सहयोग प्रदान कर रहे हैं। 28 अगस्त तक उनके साथ 1 पुरुष और 2 महिला मुक्केबाज, 1 सहायक स्टाफ भी शामिल हो जाएगा। भारतीय टीम यूके के प्रमुख उच्च-प्रदर्शन खेल केंद्रों में से एक, इंग्लिश इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट शेफ़ील्ड में चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा है। यह शिविर मुक्केबाजों को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय एथलीटों के साथ गुणवत्तापूर्ण अभ्यास और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है।

एशिया कप 2025 : क्या कभी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों को दूसरे देशों की टीमों के चयन के बारे में बात करते सुना है : गावस्कर

नई दिल्ली, 26 अगस्त। गावस्कर ने कहा कि अगर भारतीय मीडिया, सोशल मीडिया और क्रिकेट पंडितों के बीच एशिया कप टीम को लेकर कोई बहस नहीं होती, तो उन्हें हैरानी होती। लेकिन यह बात कि विदेश के पूर्व क्रिकेटर भी इस बहस में पड़ रहे हैं, उन्हें स्वीकार्य नहीं है।

एशिया कप को शुरू होने में अब कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है। भारत ने अगले महीने यूएई में होने वाले इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की है जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। टीम में श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को शामिल नहीं करने पर काफी चर्चा हुई थी, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इस बात हैरानी जताई है कि एशिया कप टीम को लेकर भारत के अलावा पूर्व विदेशी खिलाड़ी क्यों टिप्पणी कर रहे हैं जिनके बयान आग में घी डालने का काम कर रहे हैं।

गावस्कर ने कहा कि अगर भारतीय मीडिया, सोशल मीडिया और क्रिकेट पंडितों के बीच एशिया कप टीम को लेकर कोई बहस नहीं होती, तो उन्हें हैरानी होती। लेकिन यह बात कि विदेश के पूर्व क्रिकेटर भी इस बहस में पड़ रहे हैं, उन्हें स्वीकार्य नहीं है। गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, हैरान करने वाली बात यह है कि जिन विदेशियों का भारतीय क्रिकेट में कोई योगदान नहीं है और जिन्हें इसके बारे में बहुत कम जानकारी है, वे इस बहस में कूद पड़े हैं और आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। वे खिलाड़ी के रूप में चाहे कितने भी महान क्यों न हों और भारत में कितनी भी बार क्यों न आए हों, भारतीय टीम का चयन उनका बिल्कुल भी काम नहीं है। उन्हें अपने देश के क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए और हम भारतीयों को अपने क्रिकेट की चिंता करने देना चाहिए। हैरानी की बात यह है कि जब उनके देश की टीमों का चयन होता है तो चयन के बारे में उनसे शायद ही कुछ सुना जाता है।

गावस्कर ने लिखा, ऐसा लग रहा है जैसे चयन एकदम सही है और उन्हें कोई टिप्पणी करने की जरूरत ही नहीं है। तो फिर भारतीय टीम के चयन में दखलंदाज़ी क्यों? क्या आपने कभी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों को दूसरे देशों की टीमों के चयन के बारे में बात करते सुना है? नहीं, हम अपने काम से मतलब रखते हैं और हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किसे चुनते हैं और किसे नहीं।

गावस्कर का मानना है कि सोशल मीडिया पर भारतीय दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से इन विदेशी क्रिकेट हस्तियों को सोशल मीडिया पर अधिक फॉलोअर्स और व्यूज मिलने में मदद मिलती है, जिससे उन्हें अपनी आजीविका चलाने में मदद मिलती है। गावस्कर ने कहा, सोशल मीडिया के जमाने में जहां व्यूज और फॉलोअर्स पाना ही मुख्य विषय है, संख्या बढ़ाने का सबसे तेज तरीका भारतीय मामलों पर टिप्पणी करना है।

ज्यादातर वे इसे नकारात्मक रूप से करते हैं, इसलिए भारतीय यूजर्स की प्रतिक्रिया काफी होती है, जिससे उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ जाती है। अगर आपकी चमड़ी मोटी है, तो और भी अच्छा है। यही कारण है कि कई विदेशी क्रिकेटरों ने भारतीय क्रिकेट और क्रिकेटरों के बारे में अपनी ज्यादातर नकारात्मक टिप्पणियों से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को परेशान करके अपनी आजीविका चलाई है।

ब्रेंको टेस्ट को लेकर बीसीसीआई पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली, 26 अगस्त। पूरी दुनिया में अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर रोहित शर्मा ने कई उपलब्धि अपने नाम की हैं। रोहित को हिटमैन के तौर पर भी जाना जाता है। वह टी20 और टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं जिसके बाद अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में खेलते हुए दिखेंगे। साथ ही कहा जा रहा है कि, वह अगल वनडे वर्ल्ड कप 2027 भी खेलेंगे। हालांकि, उस समय तक रोहित 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे।

वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने हाल ही में ब्रेंको टेस्ट की शुरुआत की है। ये फिटनेस एसेसमेंट टेस्ट भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान कई खिलाड़ियों, खासकर तेज गेंदबाजों की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बाद शुरू किया गया था। जिसका उद्देश्य हाईलेवल की फिटनेस बनाए रखना और खिलाड़ियों की एरोबिक क्षमता में सुधार करना था।

दरअसल, ब्रेंको टेस्ट एक तरह से एरोबिक रनिंग ड्रिल है, जिसकी मदद से खिलाड़ी का स्टेमिना, स्पीड और हर्ट की स्थिति को जाना जा सकता है। इस टेस्ट में 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर की शटल दौड़ होती है। एक सेट में तीन दूरियों को दौड़ता होता है और प्लेयर को ऐसे पांच सेट बिना रुके पूरे करने होते हैं। इस तरह से कुल मिलाकर खिलाड़ी को 1,200 मीटर बिना आराम किए दौड़ना होता है। इससे भी बड़ी बात ये है कि इस टेस्ट को 6 मिनट के अंदर खिलाड़ी को पूरा करना होता है।

वहीं अब ब्रेंको टेस्ट का जिक्र करके पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी का मानना है कि बीसीसीआई और रोहित शर्मा को लेकर बड़ा दावा किया है। मनोज तिवारी का मानना है कि, बीसीसीआई ने सुनिश्चित करने के लिए ब्रेंको टेस्ट शुरू किया है कि रोहित शर्मा 2027 के वनडे वर्ल्ड कप से पहले क्रिकेट से संन्यास ले लें। सभी जानते हैं कि भारत के रोहित सबसे फिट क्रिकेटर नहीं हैं। लेकिन उनका प्रदर्शन ऐसा रहा है कि कोई भी उन्हें बेंच पर नहीं बैठा सकता। मनोज का ये भी मानना है कि, इसलिए ब्रेंको टेस्ट शुरू किया जा रहा है। रोहित इस समय 38 साल के हैं।

क्रिकट्रैकर से मनोज ने कहा कि, मुझे लगता है कि विराट कोहली को 2027 वर्ल्ड कप की प्लानिंग से बाहर रखना मुश्किल होगा, लेकिन मुझे शक है कि रोहित शर्मा को अपनी प्लानिंग में शामिल करेंगे। क्योंकि, देखिए मैं भारतीय क्रिकेट में चल रही गतिविधियों को बहुत बारीकी से एनालिसिस करता हूं। मेरा मानना है कि ये ब्रेंको टेस्ट, जो कुछ दिन पहले ही शुरू किया गया था। रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों और ऐसे लोगों के लिए है जो मेरे विचार से भविष्य में टीम का हिस्सा नहीं बनना चाहते और इसी कारण से इसे शुरू किया गया है।

जैक ड्रेपर चार सेटों में जीत के साथ दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क, 26 अगस्त। ब्रिटेन के नंबर एक खिलाड़ी जैक ड्रेपर अर्जेंटीना के क्वालीफायर फेडेरिको अगस्टिन गोमेज को 6-4, 7-5, 6-7 (7-9), 6-2 से हराकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। पिछले साल न्यूयॉर्क सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पांचवें वरीय खिलाड़ी, हाथ में चोट लगने के बाद जुलाई की शुरुआत में विंबलडन के बाद अपना पहला एकल मैच खेल रहे थे। ड्रेपर ने कहा, "मुझे अपने पैरों में टेनिस की जरूरत थी। मुझे तीन घंटे का मैच खेलना था।" "तीसरा सेट हारने पर मैं थोड़ा खुश था क्योंकि मेरा स्तर बहुत अच्छा नहीं था। फिर मुझे लगा कि चौथे सेट के अंत में मैं और बेहतर होता जा रहा हूँ।" 23 वर्षीय ड्रेपर को अपने शानदार ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन के बाद वापसी करते हुए खिताब के दावेदारों में से एक माना जा रहा है। हालांकि वह अपने विश्वसनीय और शक्तिशाली सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में नहीं थे, लेकिन बाएं हाथ के इस अंग्रेज खिलाड़ी ने अंततः गोमेज के विस्फोटक खेल को पूरी तरह से बेअसर कर दिया। ड्रेपर ने बेसलाइन पर काफी दबाव झेला और ऐसे सवाल पूछे जिनका जवाब उनका 203वीं रैंकिंग वाला प्रतिद्वंद्वी लगातार नहीं दे पा रहा था।

फाइनल में पहुंची टीम जाजू पोलो

जयपुर, 26 अगस्त। राइडिंग एंड पोलो क्लब ने आज टीम जाजू पोलो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम जाजू पोलो ने टीम तोपची (आर्टिलरी-भारतीय सेना) पर शानदार जीत दर्ज की। अंतिम स्कोर 10-5 रहा, जो गति, सटीकता और दमदार प्रदर्शन से भरपूर मैच को दर्शाता है। टीम के संरक्षक सूरज जाजू के अटूट जुनून ने जाजू पोलो को फाइनल में पहुँचाया, जो उनकी विरासत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है।

ध्रुवपाल गोदारा शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने हैट्रिक बनाई और टीम जाजू पोलो की अगुवाई की। आरव मेवाड़ा और सूरज जाजू ने टीम की रणनीति में और निखार लाया, जबकि तोपची के कैप्टन प्रिंसपाल सिंह और मेजर किरण गोले ने दबाव बनाए रखने के लिए बहादुरी से मुकाबला किया। अब रोमांचक फाइनल के लिए मंच तैयार है, जो ध्रुव के साथ टीम जाजू पोलो और सवीर के साथ टीम बीकानेर पोलो के बीच खेला जाएगा, पिता-पुत्र गौरव के लिए एक-दूसरे का सामना करेंगे।

टेस्ट क्रिकेट आसान नहीं है, ये मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला फॉर्मेट है : रोहित

नई दिल्ली, 26 अगस्त। टीम इंडिया के पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। दरअसल, रोहित उस दोरान न केवल टीम इंडिया के कप्तान थे, बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली अहम सीरीज में टीम की सबसे बड़ी उम्मीद भी माने जा रहे थे। लेकिन अचानक रिटायरमेंट के बाद बीसीसीआ को नया कप्तान चुनना पड़ा और शुबमन गिल को ये जिम्मेदारी दी गई।

वहीं तमाम की अटकलों के बाद अब खुद रोहित ने अपने टेस्ट संन्यास पर खुलकर बात की है। मुंबई में एक इवेंट के दौरान रोहित ने कहा कि, टेस्ट क्रिकेट आसान नहीं है, ये मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला फॉर्मेट है। ये खेल आपसे लंबी अवधि तक खेलने की मांग करता है। खासकर पांच दिन तक लगातार फोकस बनाए रखना आसान नहीं होता।

रोहित ने आगे कहा कि, भारतीय क्रिकेटर बचपन से ही लंबे फॉर्मेट खेलने के आदी होते हैं। उन्होंने बताया कि जब हम मुंबई में क्लब क्रिकेट खेलते थे, तो दो-दो, तीन-तीन दिन तक मैच चलते थे। इसलिए हमारे अंदर ये आदत बचपन से ही डाल दी जाती है। रोहित का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में सबसे अहम चीज है कंसंट्रेशन यानी एकाग्रता। पूर्व टेस्ट कप्तान ने कहा कि, लंबे फॉर्मेट में खेलने के लिए मानसिक रूप से फ्रेश रहना जरूरी है।

राज्य के सभी 33 जिला क्रिकेट केन्द्रों पर आरसीए कराएगा क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण : कुमावत

जयपुर, 26 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावतके अनुसार राजस्थान में क्रिकेट के विकास, युवा खिलाडियों को आवश्यक सुविधाओं सहित उच्च स्तरीय क्रिकेट गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में अपना प्रदर्शन दिखाने, राज्य क्रिकेट को वापस पटरी पर लाने की जो जिम्मेदारीराज्य सरकारने नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी को दी है उसे सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए हमारी आरसीए एडहॉक कमेटी हर स्तर पर अथक प्रयास कर रही है। आरसीए एडहॉक कमेटी राज्य के सभी जिला क्रिकेट केंद्रों पर खेल के विकास व उत्थान हेतु क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु प्रयासरत है जिससे जिले के युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल मैदान पर प्रशिक्षण व अपना प्रदर्शन दिखाने का अवसर प्राप्त हो।

संयोजक डी डी कुमावतने बताया कि एडहॉक कमेटी के सभी सदस्यों का मानना है कि राज्य में राजस्थान क्रिकेट संघ के सभी 33 जिलों क्रिकेट केंद्रों पर आरसीए/जिला क्रिकेट संघ के क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण होजिसमेजिले के प्रतिभावान खिलाडियों को न केवल उच्च स्तरीय परिस्थितियों में प्रशिक्षण प्राप्त होने के साथ जिले में जल्द से जल्द आरसीए की राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सके जिससे राज्य के हर क्षेत्र व जिले में क्रिकेट का विकास व विस्तार होने से राज्य के युवा खिलाडियों को अपना प्रदर्शन दिखाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा।

डी डी कुमावत के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने जिलों में क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की रूपरखातैयार कर जिलों में आरसीए , जिला क्रिकेट संघ व सी एस आर फंड के सहयोग से जल्द से जल्द क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हेतु 6 सदस्य कमेटी गठित की है जिसका चेयरमैनआरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य श्री आशीष तिवारीको बनाया गया है। आरसीए क्रिकेट ठाउंड व स्टेडियम डवलपमेंट कमेटी :- आशीष तिवारी चेयरमैन, सत्यनारायण शर्मा, ब्रज किशोर उपाध्याय, पवन गोयल, सुशील जैन, गोविन्द स्वरुप उपाध्याय, अरिष्ट सिंघवी को सदस्य बनाया गया है।

एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवारी की अध्यक्षता वाली क्रिकेट ग्राउंड व स्टेडियम डवलपमेंट कमेटी राज्य के सभी 33 जिला केंद्रों पर क्रिकेट स्टेडियम के लिए आवश्यक भूमि को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार भूमि के आवंटन, अनुबंध, लीज की प्रकिया जिलों में सीएसआर फंड, जिला क्रिकेट संघ व आरसीए के सहयोग से क्रिकेट स्टेडयम के निर्माण को जल्द से जल्द पूरा कर राज्य के युवा खिलाडियों के हित में हर संभव कार्य करेगी।

भारत एशिया कप 2025 जीतेगा : सहवाग

नई दिल्ली, 26 अगस्त। बहुप्रतीक्षित एशिया कप 2025 से पहले, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत में वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि भारत एशिया कप जीतेगा। एशिया कप 2025 के आधिकारिक प्रसारक, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ एक विशेष बातचीत में, वीरेंद्र सहवाग ने भारत की संभावनाओं पर कहा,हम विश्व चैंपियन हैं। हमने अभी-अभी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जीता है और मुझे यकीन है कि हम एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ टीम हैं और उम्मीद है कि हम एशिया कप जीतेंगे।

भारत के अभियान के लिए युवाओं की तुलना में उनका अनुभव कितना महत्वपूर्ण है? उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि हमारी टीम बहुत अच्छी है और स्काई (सूर्यकुमार यादव) आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और वह टी20 प्रारूप में एक शीर्ष खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन है कि उनकी कप्तानी में हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि हमने पहले भी देखा है कि जब स्काई ने कमान संभाली थी, हमने कई टी20 मैच जीते थे और मुझे यकीन है कि हम एशिया कप भी जीतेंगे।

हम आमतौर पर एशिया कप को विश्व कप की तैयारी के रूप में देखते हैं। 2026 का विश्व कप आ रहा है। क्या यह एशिया कप विश्व कप की तैयारी के रूप में काम करेगा? इस बारे में सहवाग ने कहा, मुझे लगता है कि टी20 प्रारूप में, यह एशिया कप हमारे 2026 के टी20 विश्व कप के लिए एक बेहतरीन तैयारी का काम कर सकता है। यह देखने का मौका है कि किन नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाना चाहिए और किसे टीम में शामिल किया जा सकता है। आप विश्व कप के लिए टीम बनाना शुरू कर सकते हैं। मेरे विचार से, भारतीय टीम के लिए अपनी ताकत परखने का एशिया कप से बेहतर कोई मौका नहीं हो सकता।

टीम चयन अक्सर बहस का विषय बन जाता है। एशिया कप के लिए मौजूदा भारतीय टीम और इस टीम के लिए चयनकर्ताओं के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर पूर्व ओपनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे पास एक बहुत अच्छा टी20 चयनकर्ता है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बहुत अच्छी टी20 टीम है। सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में, हमने टी20 मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और मुझे यकीन है कि उन्हें चयनकर्ताओं द्वारा दी गई सर्वश्रेष्ठ टीम मिलेगी, और उम्मीद है कि हम इस बार एशिया कप जीतेंगे।

ज्यूरिख में चमक बिखेरेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, 26 अगस्त। नीरज चोपड़ा एक बार फिर डायमंड लीग में चमक बिखेरते हुए नजर आएंगे। गुरुवार को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में होने वाले प्रतिष्ठित फाइनल में नीरज अपने पुराने खिताब को वापस पानी की कोशिश करेंगे। लेकिन राह आसान नहीं होगी क्योंकि सामने होंगे एंडरसन पीटर्स, जूलियन वेबर और केशोर्न वालकॉट जैसे दिग्गज खिलाड़ी। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा एक बार फिर डायमंड लीग में चमक बिखेरते हुए नजर आएंगे। गुरुवार को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में होने वाले प्रतिष्ठित फाइनल में नीरज अपने पुराने खिताब को वापस पानी की कोशिश करेंगे। लेकिन राह आसान नहीं होगी क्योंकि सामने होंगे एंडरसन पीटर्स, जूलियन वेबर और केशोर्न वालकॉट जैसे दिग्गज खिलाड़ी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज ने 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती थी, जबकि 2023 और 2024 में उन्हें उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। इस सीजन की शुरुआत उन्होंने धमाकेदार अंदाज में की। मई में उन्होंने दोहा में 90.23 मीटर का थ्रो कर 90 मीटर की दीवार तोड़ी, हालांकि वह वेबर से पीछे रहे। जून में नीरज ने पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ बाजी मारी और साबित किया कि वह खिताब के प्रबल दावेदार हैं। फाइनल की सूची में नीरज के अलावा एंड्रियन माडरि, गत चैंपियन पीटर्स, ओलंपिक चैंपियन वालकॉट, जूलियस येगो और मेजबान स्विट्जरलैंड के साइमन वीलैंड भी शामिल हैं इस वजह से ज्यूरिख का मुकाबला रोमांच से भरपूर रहने वाला है। 27 वर्षीय नीरज की लय इस सीजन में बेहतरीन रही है। बेंगलुरु में 5 जुलाई को एसी क्लासिक में उन्होंने 86.18 मीटर के थ्रो से खिताब जीता। मौजूदा सीजन में उन्होंने 6 प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिनमें 4 बार जीत दर्ज की और दो बार उपविजेता रहे।

मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट में बढ़-चढ़कर सहयोग व सहभागिता करें : डॉ. नीरज के. पवन

खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स को लेकर हुई बैठक

जयपुर, 26 अगस्त। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार व राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सयुंक्त तत्वावधान में माह नवम्बर आयोजित होने वाले खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 के सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित अर्जुन सभागार में डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग की अध्यक्षता में राज्य के समस्त निजी विश्वविद्यालयें के कुलसचिव, खेल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। डॉ. पवन ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार आयोजित होने वाले खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट में निजी विश्वविद्यालयों को बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपने सामर्थ्य के अनुसार सहयोग व समर्थन करना चाहिए। खेलों में राज्य के खिलाड़ियों की प्रतिभागिता भी अधिक से अधिक हो इसके लिए प्रयास किए जाने के निर्देश प्रदान किए। निजी विश्वविद्यालय के प्रायोजक के रूप में या अन्य किसी भी स्वरूप में जुड़ सकते है। इसके अलावा खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 के तहत होने वाले खेल आयोजनों में विद्यार्थियों की संख्या दर्शकों के रूप में अधिक से अधिक हो इसके लिए सार्थक प्रयास करते हुए उचित मात्रा में परिवहन की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने का आठाह किया। इस मौके पर डॉ. मुकेश कुमार शर्मा, सयुंक्त सचिव, उच्च शिक्षा, अनिता मीना, शासन शासन उप सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार, राजेन्द्र सिंह, सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, नीलम कंवर, वरिष्ठ लेखाधिकारी, युवा मामले एवं खेल विभाग सहित काफी संख्या में निजी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, खेल अधिकारी व प्रतिनिधि मौजूद थे।

'कांग्रेस कमीशन देखती थी, हम ''सबका विकास'' में विश्वास रखते हैं'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष संवाद में विकसित राजस्थान की रूपरेखा पर चर्चा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांसद-विधायक संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर-सिरोही, पाली, बीकानेर, श्रीगंगानगर, झुंझुंनू, सीकर, चूरू, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, अजमेर और दौसा के जनप्रतिनिधियों और जिला अध्यक्षों से संवाद किया।

■ मुख्यमंत्री ने कहा, कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी विरासत हैं। यदि हम इनका संरक्षण व संवर्धन कर टूरिस्ट सर्किट के माध्यम से विकास करें तो पर्यटकों का ठहराव बढ़ेगा, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा व स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

जयपुर, 26 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांसद-विधायक संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर-सिरोही, पाली, बीकानेर, श्रीगंगानगर, झुंझुंनू, सीकर, चूरू, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, अजमेर और दौसा संसदीय क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों और भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ प्रदेश के विकास पर संवाद किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विकसित राजस्थान2047 की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए कहा कि जन आकांक्षाएं राज्य सरकार के विजन का केन्द्र बिन्दु हैं। हमारी सरकार ने बजट में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए बिना किसी भेदभाव के बजट का प्रावधान किया है। हमारी सरकार सबका साथ-सबका विकास में विश्वास रखती है, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार कमीशन के लिए काम करती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियां हमारी विरासत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि विरासत और विकास दोनों साथ चलने चाहिए। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में घरेलू पर्यटक बहुत बड़ी संख्या में आते हैं। यदि हम इन हवेलियों का संरक्षण और संवर्धन कर टूरिस्ट सर्किट के माध्यम से इनका विकास करें तो इससे पर्यटकों का ठहराव बढ़ेगा। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक किसानों को केन्द्र एवं राज्य की योजनाओं से लाभान्वित करें।

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के 17 जिलों के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना (ईआरसीपी) को धरातल पर शुरू किया। साथ ही, शेखावाटी क्षेत्र में पानी की उपलब्धता के लिए यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया है।

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों से कहा कि आगामी विधानसभा सत्र के दौरान वे पूरी तैयारी कर सदन में होने वाली चर्चा में भाग लें।

एससीओ समिट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वपूर्ण रक्षा मुद्दों को संबोधित करने में एससीओ विफल रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव इस मंच पर भी झलकता है। जून में हुए एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने हिंदू पर्यटकों पर हमले का जिक्र न होने पर आपत्ति जताई, जिससे संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। भारत ने ईरान पर इज़रायली हमले की निंदा करने वाले एससीओ बयान में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था। हालाँकि भारत-चीन संबंधों में हाल ही में आई नरमी और ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर नए टैरिफ दबाव ने इस बार शी-मोदी बैठक से सकारात्मक उम्मीदें जगा दी हैं। एरिक ओलेंडर के अनुसार, "संभव है कि भारत अपनी प्रतिष्ठा को थोड़ा पीछे रखकर इस साल के एससीओ विवादों को भुला दे, क्योंकि चीन के साथ संबंध सुधारना मोदी की वर्तमान प्राथमिकता है।" ट्रंप के रुख से आहत मोदी जान गए है कि भारत के पास कूटनीतिक दांव के विकल्प सीमित है। इसलिए मोदी सरकार ने विदेश नीति के अन्य विकल्प तलाशने का निर्णय किया है चीन से हाथ मिलाना इसी का अंग है। बीजिंग भारत की दुविधा को समझता है और उसकी गणना में भारत के अमेरिका के पाले में जाने से अच्छा है स्वतंत्र व तटस्थ भार उसके पास आ जाए। विश्लेषकों को उम्मीद है कि भारत और चीन सीमा से सेना हटाने, व्यापार और वीज़ा नियमों में ढील, जलवायु सहयोग, और जन-संपर्क को बढ़ाने जैसे कई छोटे कदमों की घोषणा कर सकते हैं। हालाँकि इस सम्मेलन से बड़े नीति निर्णयों की उम्मीद नहीं है, फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि इसके प्रतीकात्मक महत्व को कम करके नहीं आँकना चाहिए। ओलेंडर के शब्दों में, यह शिखर सम्मेलन प्रतीकों के बारे में है और बहुत शक्तिशाली प्रतीकों के बारे में। सम्मेलन के बाद मोदी चीन से रवाना हो जाएंगे, जबकि पुतिन बीजिंग में होने वाली द्वितीय विश्व युद्ध की सैन्य परेड में भाग लेने के लिए सप्ताहभर चीन में रहेंगे - जो रूस के बाहर उनका एक असाधारण रुप से लंबा दौरा होगा।

हैल्थ इंश्योरैंस और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर जीएसटी को शून्य कर दिया जाए। अब यह रिपोर्ट परिषद के पास है, जहाँ अंतिम निर्णय राज्य के वित्त मंत्रियों और केंद्र सरकार के हाथ में होगा। कुछ वैकल्पिक सुझाव भी विचाराधीन हैं - जैसे जीएसटी को आंशिक रूप से घटाकर 5 प्रतिशत या 12 प्रतिशत करना, या वरिष्ठ नागरिकों अथवा 5 लाख तक की पॉलिसियों के लिए राहत देना। ये आधे-अधूरे उपाय सरकार को राजस्व में अधिक नुकसान से तो बचा लेंगे, लेकिन बीमा को वास्तव में सुलभ बनाने के उद्देश्य को कमजोर कर सकते हैं।

राज्यों की अपनी चिंताएँ जायज़ हैं। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी से हर साल 2,600 करोड से 9,700 करोड तक का राजस्व आता है, जो छूट के दायरे पर निर्भर करता है। ऐसे समय में जबकि, कई राज्य वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं, इस राजस्व को छोड़ना आसान नहीं होगा। बीमा कंपनियाँ भी चिंतित हैं। अगर जीएसटी हटा दिया गया, तो उन्हें अपनी सेवाओं पर मिलने वाला इनपुट टैक्स क्रेडिट नहीं मिलेगा, जिससे उनके मुनाफे पर असर पड़ सकता है। इन मुद्दों पर परिषद में तीखी बहस की संभावना है। फिर भी, छूट के पक्ष में दलील बहुत मजबूत है। भारत लंबे समय से बीमा की कम पहुँच और अपर्याप्त सामाजिक सुरक्षा की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहा है। इसका मतलब है कि बीमारी के समय या कमाने वाले सदस्य की मृत्यु की स्थिति में परिवार अपनी बचत पर निर्भर रहते हैं। जीएसटी को हटाकर सरकार की तरफ से यह संकेत जाएगा कि वह बीमा के जरिए लोगों को जोखिम बांटने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है। जिससे परिवारों की वित्तीय असुरक्षा कम होगी। यह वित्तीय समावेशन (फायनैंशियल इन्क्लूजन) और सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुरक्षा की व्यापक नीति के अनुरूप भी है।

इस निर्णय का समय भी बहुत अहम है। जीएसटी परिषद की सितंबर बैठक में टैक्स स्लैब्स को बदलकर उन्हें आसान बनाने की संभावना है। इसमें 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाले स्लैब हटाकर सिर्फ दो दरें, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रखने का प्रस्ताव है। इस व्यापक सुधार के बीच बीमा पर छूट सबसे ज्यादा उपभोक्ता-हितैषी कदम के रूप में उभर सकती है। सरकार इसे दिवाली तोहफे के रूप में पेश कर सकती है, और इसे अक्टूबर में त्योहारी सीज़न से पहले लागू किया जा सकता है। इससे बीमा कंपनियों को अपने उत्पादों की कीमतें फिर से तय करने और बाज़ार में उन्हें अधिक आकर्षक बनाने का मौका मिलेगा।

अंततः यह मुद्दा इस पर निर्भर करता है कि परिषद वित्तीय विवेक और सामाजिक ज़रूरत के बीच संतुलन कैसे बनाती है। भारत की बचत प्रणाली पहले ही बदल रही है, लोग अब सोना और अचल संपत्ति के बजाय वित्तीय साधनों में निवेश कर रहे हैं।

सुरक्षा (प्रोटैकशन) की लागत को कम करना इस प्रवृत्ति को और मज़बूत करेगा। यह एक ऐसा समाज बनाने में मदद करेगा जो ज्यादा स्वस्थ और आर्थिक रूप से सुरक्षित हो, जहां बीमारी या अकाल मृत्यु से लोग कम प्रभावित हों।

अगर परिषद यह साहसिक निर्णय लेती है और पूर्ण छूट देती है, तो यह सुधार जीएसटी के लागू होने के बाद से उपभोक्ता हित में लिए गए सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में गिना जाएगा। यह दिखाएगा कि टैक्स सिस्टम केवल राजस्व जुटाने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति को सक्षम बनाने के लिए भी है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज पर ईडी का छापा

नयी दिल्ली, 26 अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में 24 अस्पतालों के निर्माण से जुड़े 5,590 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के घर सहित 13 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। ईडी सूत्रों ने कहा कि फिलहाल तेरह स्थानों पर तलाशी चल रही है।

धन शोधन निवारण (पीएमएलए) मामला 2018-19 में हुए कथित दिल्ली अस्पताल निर्माण से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि निर्माण में देरी होने के कारण अस्पतालों की लागत बढ़ गई। 2018-19 में आप सरकार ने अस्पतालों के निर्माण को मंज़ूरी प्रदान की थी, हालांकि परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकीं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

राहुल की वोट अधिकार यात्रा में शामिल हुईं प्रियंका गांधी

पटना, 26 अगस्त। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज बिहार में चल रही मतदाता अधिकार यात्रा में अपने भाई राहुल गांधी के साथ शामिल हुईं। यात्रा के दसवें दिन सुपौल जिले में जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। पहली बार प्रियंका गांधी इस अभियान में शामिल हुईं और राहुल गांधी के साथ खुले वाहन में लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान माहौल उत्साहपूर्ण रहा और महागठबंधन के कार्यकर्ताओं में नई स्फूर्ति देखी गई।

उपराष्ट्रपति के चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है उन्हें खुद भी कल्पना नहीं थी। तेलुगु नेता की व्यक्तिगत साख पर किसी भी प्रकार की चोट जल्द ही पूरे समुदाय के अपमान का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि ऐसी भावनाएं कभी-कभी राजनीति को हिला कर रख देती हैं।

जैसे-जैसे उपराष्ट्रपति चुनाव की घड़ी नज़दीक और इसे तेलुगु अस्मिता पर प्रहार माना जा सकता है। एक आम चुनाव तेलुगु अस्मिता बनाम गठबंधन अनुशासन का रंग लेने लगा है। यदि तेलुगु देशम एनडीए के साथ मजबूती से खड़ी रहती है या फिर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराती है-दोनों ही स्थितियाँ आने वाले दिनों में न केवल चुनाव परिणाम, बल्कि आंध्र तथा तेलंगाना की राजनीतिक दिशा भी तय कर सकती हैं। यह सिर्फ एक वोट नहीं, एक भावनात्मक संकेत हो सकता है।

मोदी ने ट्रंप के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो हाल के हफ्तों में ट्रंप द्वारा चार बार फ़ोन कॉल करने के बावजूद मोदी ने जवाब देने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट में उन सटीक तारीखों का ज़िक्र नहीं किया गया है जिन पर कथित तौर पर कॉल किए गए थे। इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक, भारतीय अधिकारियों ने इन कॉल्स पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कौन पैदा करवा रहा है ''ट्राइबल लीडर''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी और स्वयं, राजीव दत्ता, जो एक आर.पी.एस. अधिकारी हैं, नियमानुसार किसी भी मूर्ति का अनावरण नहीं कर सकते।

याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि इस मामले में पिछले वर्ष एफ.आई.आर. भी दर्ज कराई गई परन्तु, राजकीय दबाव के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। बल्कि एक ही वर्ष में मामले पर एफ.आर. भी लगा दी गई।

अदालत ने याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए तथ्यों और उपलब्ध फोटो को रिकॉर्ड पर लेते हुए कहा कि इस मामले में राजनैतिक दबाव के चलते याचिकाकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई एफ.आई.आर. में कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

अदालत ने यह भी माना कि वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष के ओ.एस.डी. राजीव दत्ता एक आर.पी.एस. अधिकारी हैं, जो सरकारी नियमानुसार किसी भी मूर्ति का अनावरण नहीं कर सकते और आरोपियों ने इसमें कोई स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है। इसलिए मुख्य सचिव इस मामले की जल्द से जल्द सुनवाई कर मामले का निस्तारण करें।

अमेरिका ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए जाएंगे या गोदाम से निकाले जाएंगे।

ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में भारत के सामान पर टैरिफ को 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी करने की घोषणा की थी, जो रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया जा रहा है। अमेरिका की यह समयसीमा 27 अगस्त को खत्म हो रही है।

`राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600